तापमान
अधिकतम 28.2 डिग्री
न्यूनतम 7.0 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 16 नवंबर 2025

12 छात्रों ने जल जंगल, जमीन की अवधारणा को समझा

12 भाजपाइयों ने ढोल-नगाड़ों पर जमकर डाला भंगड़ा

खबर संक्षेप

ट्रेन में सफर कर रहे 7 साल के बच्चे की मौत

अंबाला। दिल्ली से ट्रेन में परिवार सहित लुधियाना जा रहे सात वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। मृत बच्चे की पहचान दिल्ली के रोबिन के तौर पर हुई है। बच्चे की मां पूजा ने बताया कि ट्रेन में सफर के दौरान रोबिन ने चाय पी थी। इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। जब उसने पीने के लिए पानी मांगा तो अचानक वह बेसुध हो गया। अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

11 लोगों के सैंपल में से चार में पीलिया की पुष्टि

बराड़ा। बराड़ा के वार्ड नंबर 16 में दूषित पानी की शिकायत के बाद प्रशासन हरकत में आया और 11 लोगों के सैंपल लिए। इनमें से चार लोगों की रिपोर्ट पॉजिटव आई है। उनमें सोहम भाटिया (17), मनप्रीत कौर (18) और अवनीत (15) व 65 साल क गुरमीत कौर शामिल है। इन सभी को चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। प्राथमिक उपचार शुरू कर किया गया है। स्वास्थ्य विभाग इलाके में अन्य लोगों की भी जांच कर रहा है, ताकि पीलिया को फैलने से रोका जा सके। स्वास्थय विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे उबालकर या फिल्टर किया हुआ पानी ही पिएं, बाहर का कच्चा व दूषित भोजन न करें और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दें।

कुरुक्षेत्र में ट्रक ने युवक को कुचला, मौत

कुरुक्षेत्र। रेलवे स्टेशन पर ट्रक के नीचे कुचले जाने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर राजकीय रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को कब्जे में लेकर उसकी पहचान करवाई। मृतक की पहचान 31 वर्षीय अखिलेश कुमार हाल निवासी थानेसर के रूप में हुई। अखिलेश कुमार मूल रूप से यूपी के गोरखपुर का रहने वाला था, जो कि कुरुक्षेत्र में टाइल्स-पत्थर लगाने का काम करता था। मृतक के परिजनों को सूचना दी गई है। अखिलेश अपने पीछे 3 बच्चे और अपनी पत्नी को छोड़ गया।

कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का शुभारंभ

कुरुक्षेत्र। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में ब्रह्मसरोवर पर रंगोली तैयार करते कलाकार, आकर्षक मुद्रा में महिला कलाकार तथा पर्यटकों का मनोरंजन करते सपेरा बीन पार्टी के कलाकार। *फोटो : हरिभूमि*

ब्रह्मसरोवर के तट पर ढोल-नंगाड़ों, शिल्पकारों और कलाकारों का अद्भुत संगम

गीता का संदेश जितना पहले उपयोगी था, उतना आज भी : राज्यपाल घोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। ब्रह्मसरोवर पर सरस व शिल्प मेले का अवलोकन करते राज्यपाल प्रो. घोष।

राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने शंखनाद की ध्वनि के बीच कुरुक्षेत्र में सरस और शिल्प मेले के उद्घाटन किया और इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2025 का भव्य शुभारंभ हुआ। इस सरस और शिल्प मेले के शुभारंभ के साथ ही प्रदेश के विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों और शिल्पकारों की खुशी का ठिकाना ना रहा। इन कलाकारों ने अपने-अपने प्रदेश की संस्कृति की छटा बिखेर कर उदघाटन समारोह को यादगार बनाने के साथ-साथ चार चांद लगाने का काम किया। इस सरस और शिल्प मेले के साथ राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने मंत्रोच्चारण के बीच महोत्सव के मीडिया सेंटर का भी उदघाटन किया।

राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने शनिवार को ब्रहमसरोवर के पावन तट पर अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2025 में दीपशिखा प्रज्जवलित करके परंपरा अनुसार सरस और शिल्प मेले का शुभारंभ किया और श्रीमदभगवद गीता की प्रति पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धा को व्यक्त किया। इसके पश्चात राज्यपाल ने ब्रह्मसरोवर के तट पर शिल्प और सरस मेले का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने ढोल-नंगाड़ा पार्टी, करतब दिखा रहे कलाकार, नृत्य कर रहे कलाकार और बीन पार्टी से बातचीत की।

इतना ही नहीं राज्यपाल ने सरस मेले में विभिन्न प्रदेशों से शिल्पकारों से उनकी शिल्पकला के बारे में विस्तार से पूछा। इन स्टॉलों पर राज्यपाल ने कुछ मिनट बिताए और शिल्पकला और सेल्फ हेल्प ग्रुप के बारे में भी जानकारी हासिल की। राज्यपाल ने इन स्टॉलों पर हाथ से बने उत्पादों की जमकर प्रसंशा की है। इसके अलावा राज्यपाल ने शिल्पकारों के साथ अपने मन की भावनाओं को भी साझा किया। राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव के शुभारंभ का ऐतिहासिक अवसर है। हजारों साल पहले कुरुक्षेत्र की भूमि पर भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को गीता का ज्ञान दिया था।

यह गीता ज्ञान उस वक्त जितना उपयोगी था, आज भी उतना ही उपयोगी है। कुरुक्षेत्र भी उस वक्त जितना उपयोगी था, आज भी उतना ही उपयोगी है। गीता का यह संदेश युगों-युगों तक याद रखा जाएगा। राज्यपाल ने कहा कि गीता महोत्सव न केवल कुरुक्षेत्र की भूमि पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर भी मनाया जा रहा है। आज विधिवत रूप से सरस मेले के उदघाटन के साथ इसका शुभारंभ हुआ है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्टद्रीय गीता महोत्सव 2025 का आयोजन 15 नवंबर से 5 दिसंबर 2025 तक किया जाएगा और मुख्य कार्यक्रम 8 दिवसीय होंगे और यह कार्यक्रम 24 नवंबर से 1 दिसंबर 2025 तक चलेंगे। इस महोत्सव में संत सम्मेलन, दीपोत्सव, गीता सेमिनार, वैश्विक गीता पाठ मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इन कार्यक्रमों से युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलेंगी और प्राचीन संस्कृति से आत्मसात होने का अनोखा अवसर भी मिलेगा।

देश और विदेशों से पहुंचेंगे लोग

राज्यपाल ने कहा कि देश और विदेश से लोग अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में पहुंचेंगे। इस बार भी लाखों की संख्या में लोग पहुंचेंगे। इसके साथ-साथ विभिन्न प्रांतों से कलाकार, शिल्पकार, कारीगर व सामान बेचने वाले स्वयं सहायता समूह महोत्सव में पहुंचे हैं। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलता है और लोगों को हमारी संस्कृति जानने का अवसर भी मिलता है।

राज्यपाल ने की महोत्सव की महाआरती

कुरुक्षेत्र। गीता महोत्सव की महाआरती का शुभारंभ करते राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष।

कुरुक्षेत्र। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2025 में राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने मंत्रोच्चारण और शंखनाद की ध्वनि के बीच सांय कालीन महाआरती का शुभारंभ किया। गीता महोत्सव की इस आरती से ब्रह्मसरोवर की पूरी फिजा भक्ति रस में डूब गई। इसके साथ ही राज्यपाल राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने ब्रहमसरोवर पर 1 दिसंबर तक जलने वाली दिव्य गीता ज्योति का भी शुभारंभ किया। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2025 में शनिवार को देर सायं कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के सहयोग से ब्रह्मसरोवर पुरुषोतमपुरा बाग में सांय कालीन आरती का आयोजन किया गया। महोत्सव के पहले दिन राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने जहां मंत्रोच्चारण के बीच परंपरा अनुसार महाआरती में भाग लिया और पवित्र ग्रंथ गीता का पूजन भी किया। इस महाआरती में षडदर्शन साधु समाज से महंत बंसीपुरी महाराज, महेश मुनी महाराज, पीठाधीश्वर पंडित सतपाल शर्मा, हरिओम परिवाजक, स्वामी ज्ञानेश्वर दास महाराज, लक्ष्मी नारायाण पूरी सहित अन्य संतों ने भी भाग लिया और पवित्र ग्रंथ गीता का पूजन किया। इस कार्यक्रम से पहले केडीबी की तरफ से प्रसिद्ध कलाकारों ने भजनों की प्रस्तुति देकर ब्रह्मसरोवर के वातावरण में भक्ति रस घोल दिया। ब्रह्मसरोवर की सांय कालीन आरती में पंडित बलराम गौतम, सोमनाथ शर्मा, अनिल गौतम, रोहित कौशिक, रूद्र गौतम ने आरती करवाई और मंत्रोच्चारण का जाप किया। राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने कहा कि ब्रह्मसरोवर की आरती से पर्यावरण शुद्ध होता है। यह एक आदि भौतिक, आदि दैविक एवं अध्यात्मिक दृष्टि के साथ-साथ सामाजिक, सांस्कृतिक तथा वैज्ञानिक दृष्टि से भी एक सिद्ध समग्र एवं समन्वित उपक्रम है। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव को भी स्वच्छ और सुदंर बनाने का प्रयास करना चाहिए। जिस घर, मोहल्ले, शहर और प्रदेश में स्वच्छता होगी।

- षडदर्शन साधु समाज के संतो ने लिया महाआरती में भाग

लकड़ी के फर्जी बिल तैयार किए

2.17 लाख रुपये की ठगी करने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर। बुड़िया गेट पुलिस चौकी द्वारा गिरफ्तार किया गया आरोपी।

जिला पुलिस प्रशासन द्वारा हरियाणा पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह के निर्देशों पर चलाए जा रहे ऑप्रेशन ट्रेकडाउन के तहत बुड़िया गेट पुलिस चौकी टीम द्वारा टिंबर फर्म से फैक्ट्री में भेजी गई लकड़ी के फर्जी बिल तैयार कर 2.17 लाख रुपये की ठगी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के जिला सहारनपुर के गांव सुल्तानपुर निवासी अनुज उर्फ अन्नू के रुप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर कार्रवाई शुरू कर दी और मामले के अन्य आरोपियों की तलाश की जारही है।

- टिंबर फर्म से फैक्ट्री में भेजी गई लकड़ी के फर्जी बिल तैयार किए थे

बुड़िया गेट पुलिस चौकी प्रभारी गुरदयाल ने बताया कि जगाधरी के पथरांवाला बाजार निवासी सचिन मित्तल ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी बुड़िया चौक के नजदीक स्थित वैदिका टिम्बर ट्रेडर्स के नाम फर्म है। फर्म के नाम से जगाधरी लकड़ मंडी में लकड़ी की खरीद फरोख्त करते हैं।

वह अनुज की ट्रैक्टर ट्रॉली में लकड़ी लोड कर अलग अलग जगह सप्लाई भेजते थे। जिसका अनुज को किराया देते थे। गत 25 जुलाई को उनकी फर्म से मेट्रो डैकोरेटिव प्राइवेट लिमिटेड में लकड़ी सप्लाई की गई जो बिट्टू ड्राइवर ट्रैक्टर ट्रॉली में लोड कर ले गया था।

मेट्रो डैकोरेटिव प्राइवेट लिमिटेड में बिट्टू को अनुज मिला। अनुज ने बिट्टू से बिल व माल के कांटे की पर्ची ले ली और कहा कि पर्ची में जो आठ क्विंटल की काट लगी है। वह उसे जानकारी का फायदा उठाकर कम करवा लेगा। बिट्टू ने अनुज को बिल व कांटा पर्ची दे दिए।

शादी करवाने के नाम पर हड़पे 44718 रुपये

यमुनानगर। साइबर ठगों ने शादी करवाने के नाम पर फेक प्रोफाइल सांझा करके रघुनाथ पुरी कॉलोनी निवासी सिद्धार्थ गोरी से 44718 रुपये हड़प लिए गए। आरोप शुभ मंगल मैट्रिमोनी नामक संस्था के संचालक सागर कुमार सुतार, रानी पांडे व ममता पर लगा है।

शहर की रघुनाथ पुरी कॉलोनी निवासी सिद्धार्थ गोरी ने साइबर क्राइम थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका भाई सत्यदीप नील गोरी अविवाहित है। वह उसकी शादी करवाना चाहता है। इस दौरान मार्च 2024 में उसने गूगल पर मैट्रिमोनी नामक संस्था को सर्च कर रहा था ताकि उसके भाई के लिए लड़की मिल सके। इस दौरान उसे गूगल पर शुभ मंगल मैट्रिमोनी नामक संस्था का मोबाइल नंबर मिला।

बाबा श्रीचन्द महाराज के प्रकाश उत्सव पर कार्यक्रम

बाबा श्रीचन्द महाराज ने मानव कल्याण की परम्परा को बढ़ाया आगे : नायब सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

पिहोवा। कार्यक्रम में मंचासीन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व अन्य।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि संत शिरोमणि प्रथम पातशाह श्री गुरु नानक देव महाराज के पुत्र बाबा श्रीचन्द जी महाराज ने उनके सिद्धांतों व जीवन मूल्यों को अपनाकर उनकी मानव कल्याण की परम्परा को आगे बढ़ाया था। सरकार प्रदेश में हिन्द की चादर नवम पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान दिवस के उपलक्ष में 350वें शहीदी दिवस पर 25 नवंबर को ज्योतिसर में राष्ट्र स्तरीय कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिरकत करेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को उदासीन श्री ब्रहम अखाड़ा साहिब मांडी में बाबा श्री चन्द महाराज के 531वें प्रकाश उत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब की हजूरी में पहुंच कर माथा टेका। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा को उदासीन श्री ब्रहम अखाड़ा साहिब के संस्थापक बाबा गुरविन्दर सिंह महाराज ने सरोपा पहनाकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मानवता के महान सेवक बाबा श्री चन्द महाराज के 531वें प्रकाश उत्सव की सबको हार्दिक बधाई दी और बाबा श्रीचन्द महाराज के चरणों में श्रद्धापूर्वक नमन किया। उदासीन श्री ब्रहम अखाड़ा साहिब श्री गुरुओं के आदर्शों को आगे बढाते हुए रक्तदान शिविर, गरीब कन्याओं का विवाह, खेलकूद प्रतियोगिताओं आदि का आयोजन करते रहते हैं।

- ■ श्री गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस पर कार्यक्रम का दिया न्यौता

आज भी यहां खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। किसी महान आत्मा के प्रकाश उत्सव को मनाने का इससे अच्छा और कोई तरीका नहीं हो सकता। श्री गुरु नानक देव जी के दो पुत्रों में से ज्येष्ठ पुत्र बाबा श्री चन्द जी महाराज का ध्यान बचपन से ही भक्ति की ओर था।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने बिहार में एनडीए की जीत पर कार्यकर्ताओं का जताया आभार

विपक्ष का वोट चोरी का षड्यंत्र जनता ने किया विफल

- ■ विपक्ष पर लगाया जनता को गुमराह करने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

यमुनानगर। रादौर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा। *फोटो : हरिभूमि*

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए)की प्रचंड जीत के लिए वहां की जनता और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया है।

उन्होंने बिहार चुनाव के दौरान विपक्ष द्वारा लगाए गए वोट चोरी के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने रादौर स्थित अपने कार्यालय में बातचीत करते हुए बिहार की प्रचंड जीत को एनडीए के विकास मॉडल की जीत बताया। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि बिहार की जनता ने चुनाव के दौरान विपक्ष द्वारा किए गए वोट चोरी के षडयंत्र को पूरी तरह विफल कर दिया है। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को भी बधाई दी। जिन्होंने बिहार चुनाव में सक्रिय रूप से प्रचार किया। उन्होंने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार की जनता की जीत है। यह जनादेश बताता है कि बिहार की जनता एनडीए के विकास मॉडल पर भरोसा करती है। उन्होंने विपक्ष विशेषकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वोट चोरी के आरोप पूरी तरह झूठे और बेबुनियाद हैं। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि यह आरोप साबित करता है कि विपक्ष का जनता से जुड़ाव कमजोर हो चुका है। जब भाजपा कार्यकर्ता बूथ स्तर पर जाकर मतदाताओं से संवाद कर रहे थे। तब विपक्ष सिर्फ शंकाएं फैलाने में लगा हुआ था। परिणाम सबके सामने है।

आत्मनिरीक्षण करे विपक्ष : राणा

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष की भूमिका अहम होती है। लेकिन मौजूदा विपक्ष को आरोप लगाने के बजाय आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि बिहार का यह जनादेश राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा की मजबूती को और बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं की मेहनत एनडीए की जीत का सबसे बड़ा आधार रही। उन्होंने कहा कि विपक्ष को जनता के बीच लौटकर अपनी पकड़ मजबूत करनी चाहिए न कि हार का ठीकरा चुनाव आयोग या व्यवस्था पर फोड़ना चाहिए। उन्होंने चुनाव को पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बताया। भाजपा की विजय यात्रा 2027 के फरवरी में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनावों में भी जारी रहेगी। क्योंकि देश का हर वर्ग प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जता रहा है।

पत्नी के हत्यारे पति को सुनाई उम्रकैद की सजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

जिला कुरुक्षेत्र की जिला एवं अतिरिक्त सैशन न्यायाधीश की अदालत ने पत्नी की हत्या करने के आरोपी पति प्रदीप कुमार वासी अगनापार जिला बहराईच यूपी को सुनाई उम्र कैद व 50 हजार रुपये के जुमानें की सजा सुनाई है।

जिला न्यायावादी ने बताया कि 12 अगस्त 2022 को प्रेमचंद वासी थाना गुजरां ने थाना सदर पेहवा पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया था कि उसका गांव से करीब 2 किलोमीटर दूर पोल्ट्री फार्म है। जिस पर उसने उत्तरप्रदेश के गांव अगनापारा वासी प्रदीप कुमार को अपने फार्म पर मुर्गी के बच्चों की देखभाल के लिए रखा हुआ है। प्रदीप कुमार के साथ उसकी पत्नी शान्ति भी वही रहती थी। 11अगस्त की रात्रि वह अपना काम निपटाकर घर चला गया था। आज सुबह जब वह पोल्ट्री फार्म पहुंचा तो प्रदीप कुमार ने उसे बताया की गत रात्रि उसकी पत्नी ने अत्याधिक शराब पी थी जिसके चलते उन दोनो में काफी झगड़ा हुआ था। उसने अपनी पत्नी को धक्का दे दिया था। सुबह जब उसने उठकर देखा तो उसकी पत्नी चारपाई पर मृत अवस्था में पड़ी हुई थी। महिला की मौत उसके पति प्रदीप कुमार के लड़ाई झगड़े में लगी चोटों के कारण हुई थी।

खबर संक्षेप

प्रतिभा खोज कार्यक्रम में चमके विद्यार्थी

करनाल। डॉ. गणेश दास डी.ए.वी. महिला शिक्षण महाविद्यालय करनाल में आज प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने गायन, शास्त्रीय एवं आधुनिक नृत्य, कविता-पाठ, भाषण और चित्रकला में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं के आत्मविश्वास को बढ़ाना और उनमें छिपी रचनात्मक क्षमताओं को मंच देना था।महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. राकेश संधू ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

हजरत इलाही बू अली शाह का उर्स आयोजित

इंद्री। हजरत इलाही बू अली शाह कलंदर साहिब की इंद्रगढ रोड इंद्री स्थित दरगाह पर सालाना उर्स मुबारक व भंडारा 17 व 18 नवंबर को बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है । उक्त जानकारी देते हुए कमेटी के प्रधान व गद्दीनशीन राजेश कुमार ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी इंद्री में हजरत इलाही बू अली शाह कलंदर का उर्स मुबारक व भंडारा धुमधाम से मनाया जा रहा है । उन्होने बताया कि इस उर्स मुबारक ने विशाल रूप धारण कर लिया हैं। दूर-दूर अकीदतमंद यहा आते हैं।

श्री ब्रह्मर्षि विद्या मंदिर में वार्षिक स्पोर्टस मीट का आयोजन

छात्रों ने शिक्षा व खेलों में उचित ताल मेल का परिचय देकर किया प्रभावित

स्पोर्ट्स मीट का उद्घाटन विद्यालय निदेशक डॉ राकेश शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ तरावड़ी

तरावड़ी। खेलों मे भाग लेते स्कूल के बच्चें व विजेता बच्चों के साथ विद्यालय निदेशक डॉ राकेश शर्मा। फोटो : हरिभूमि

बाल दिवस के अवसर पर श्री ब्रह्मर्षि विद्या मंदिर कॉन्वेंट तरावड़ी में वार्षिक स्पोर्ट्स मीट का आयोजन सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ। स्पोर्ट्स मीट का उद्घाटन विद्यालय निदेशक डॉ राकेश शर्मा जी ने विद्या देवी मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर व ओलंपिक की तर्ज पर मशाल परिक्रमा को हरी झंडी दिखाकर किया। उच्च वर्ग के लिए आयोजित वार्षिक स्पोर्ट्स मीट में सीनियर विंग के छठी से बारहवीं कक्षा के सभी विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं जैसे 100 मीटर व 200 मीटर रेस,200 मीटर रिले रेस, मटका रेस,टू लेग रेस ,लांग जंप , शॉटपुट और रस्साकसी आदि में बड़े जोश और उत्साह से भाग लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं का परिणाम कुछ इस प्रकार रहा।1अंतर्सदनीय विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय निदेशक डॉ राकेश शर्मा जी ने कहा एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ दिमाग निवास करता है इसलिए छात्र जीवन से ही खेलों में रुचि रखनी चाहिए। खेलों से धैर्य व तुरंत निर्णय लेने की क्षमता का विकास होता उन्होंने कहा छात्र जीवन में खेलों का समावेश जरूरी है। खेलों से ही खेल भावना का विकास होता है जिसे सर्वश्रेष्ठ माना गया है। उन्होंने अपने उद्बोधन में छात्रों की जिज्ञासा का समय पर शमन करने की आवश्यकता जताई।

ये रहे परिणाम

लवनीश 10वीं बी (प्रथम) दिव्या 7वीं ए (प्रथम) 100 मीटर दौड़-द्वितीय दीपांशी 10ए
रिले रेस-डेवेन 9ए (तीसरा)
हर्षिल 9बी
ईशान 9ए
दिव्या 7वीं ए(प्रथम)
लवनिश 9
शुभम 8वीं ए (प्रथम)
शिवम 7वीं ए(प्रथम)
वंश ,अर्पित ,2 लेग रेस- हर्षिल, जशन (द्वितीय) ,मटका दौड़- अक्षरा (द्वितीय) ,मटका दौड़ पूर्वी (प्रथम)
जतिन 200 मीटर (दूसरा)
गोला फेंक प्रीत (प्रथम)
गोला फेंक पायल (प्रथम)
लंबी कूद सरगुन (प्रथम)
प्रिंस, निर्भय लंबी कूद (प्रथम)
मकड़ी दौड़ बन्नमट्ट (प्रथम)
रस्साकशी (आर्यभट्ट) (प्रथम) ,
शॉटपुट में पायल प्रथम
लेमन रेस में आशुतोष प्रथम
अक्षित प्रथम आई. 200 मी
अक्षित, निर्भय, अनमोल,
रिले रेस में परवीन प्रथम स्थान पर रहे ।

खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का आह्वान

इस अवसर पर प्रधानाचार्या श्रीमती विजयलक्ष्मी जी ने सभी प्रतिभागियों से कहा कि वे खेल को खेल भावना के साथ खेलने से ही जीवन में आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन अश्विनी कुमार व खेल अध्यापक जोगिंदर सिंह ने किया। संचालन में सहयोग पीयूष शर्मा, जतिन कुमार , खुशप्रीत सिंह अनमोल आदि विद्यार्थियों ने किया। कक्षा 6 से 8 में व 9 से 12 दो वर्गों में होने वाली अंतर्सदनीय विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

खबर संक्षेप

अनुबंध कर्मचारियों का धरना तेज

करनाल। अनुबंध कर्मचारी हेल्थकेयर रोहतक एसोसिएशन के बैनर तले जिला सचिवालय के सामने अनुबंध कर्मचारियों का धरना लगातार जारी है। कर्मचारियों का कहना है कि अब तक सरकार की ओर से केवल झूठे आश्वासन दिए गए हैं, जबकि उनकी मूल मांगों पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। महासचिव महेश और अमित ने बताया कि रोहतक पीजीआईएमएस के 1271 कर्मचारी पिछले जून माह से हड़ताल पर हैं। उनकी मुख्य मांग है कि ठेकेदारी प्रथा समाप्त कर उन्हें हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) से जोड़ा जाए। नेताओं ने कहा कि 13–14 वर्षों से सेवा दे रहे कई कर्मचारी आज भी अस्थिरता झेल रहे हैं।

सर्व कर्मचारी संघ निसिंग ब्लॉक की बैठक

करनाल। सर्व कर्मचारी संघ की निसिंग ब्लॉक की बैठक पब्लिक हेल्थ विभाग के कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता अशोक भाटिया और संचालन नरेश कुमार ने किया। जिला प्रधान सुशील गुर्जर, जिला सचिव सेवाराम और जिला कैशियर रामजपाल मोला ने कर्मचारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए पदाधिकारियों को अपनी-अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से निभानी होगी। बैठक में सुभाष, प्रदीप पटवारी, सुरेश, जरनैल, सोनू, प्रमोद, दीपक, सुरेश मान, प्रदीप सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

पावर कॉरपोरेशन का 26 को पंचकूला प्रदर्शन

करनाल। ऑल हरियाणा पावर कॉरपोरेशन वर्कर यूनियन की सिटी यूनिट की बैठक बी-टाइप रेस्ट हाउस में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता अजीत सैनी और संचालन जगमाल सिंह ने किया। कार्यक्रम में राज्य के महासचिव राजेंद्र राणा, राज्य सचिव सतीश मान और सर्कल सचिव विशाल बनवाला भी उपस्थित रहे। राणा ने बताया कि 26 नवंबर को पंचकूला में अतिरिक्त मुख्य सचिव पावर कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा, जहां कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा जाएगा। यूनियन ने यह भी बताया कि 17 और 19 नवंबर को पदाधिकारियों की स्कूलिंग आयोजित होगी।

गुरु तेग बहादुर जी की शहादत पर कार्यक्रम

करनाल। गुरु नानक खालसा कॉलेज में उच्चतर शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार गुरु तेग बहादुर जी के 350वें बलिदान दिवस पर लैक्चर लड़ी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता, पूर्व प्राचार्य व अंतरराष्ट्रीय विद्वान डा. मेजर सिंह ने गुरु जी के जीवन, सिद्धांत, बलिदान और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि औरंगजेब द्वारा लगाए गए धार्मिक प्रतिबंधों का विरोध करते हुए गुरु जी ने धर्म और मानवता की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति दी। विशेष वक्ता डा. गुरिंद्र सिंह ने गुरु जी की शिक्षाओं के आध्यात्मिक पहलुओं को रेखांकित किया और बताया कि गुरु जी ने मानवता, त्याग और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का संदेश दिया। कॉलेज प्राचार्य डा. चुहड़ सिंह ने पंजाबी विभाग की प्रशंसा की।

बाबा राम दास विद्यापीठ में एक दिवसीय प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज करनाल। बाबा राम दास विद्यापीठ में सीबीएसई के सौजन्य से डिजास्टर मैनेजमेंट पर एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। रिसोर्स पर्सन दीप कौर और रवनीत सिंह ने प्राकृतिक एवं मानव-जनित आपदाओं से निपटने की रणनीतियों, स्कूल सुरक्षा प्रबंधन, मॉक ड्रिल, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली और छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपायों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया। करनाल जिले के कई विद्यालयों के शिक्षकों ने भी प्रशिक्षण में भाग लिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या नीनू चांदना, प्रबंधक साबिया बत्रा और चेयरमैन वैद्य देवेंद्र कुमार बत्रा ने कार्यक्रम में पहुंचकर प्रशिक्षकों और प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया। सत्र के दौरान आग लगने की स्थिति में प्रतिक्रिया, प्राथमिक उपचार और सुरक्षित निकासी के अभ्यास भी करवाए गए। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ और विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि जागरूकता, तैयारी और प्रशिक्षण ही आपदाओं से बचाव की सबसे बड़ी कुंजी है।

आर्य कन्या गुरुकुल मोर माजरा में योग शिविर

करनाल। आर्य कन्या गुरुकुल मोर माजरा में आज योग शिविर का आयोजन किया गया। योग शिविर में आशीष लोहान और उनकी धर्मपत्नी देव वंदना मुख्य अतिथि रहे। आयोजन में तेजवीर खरब का विशेष योगदान रहा। शिविर की शुरुआत दीप प्रज्वलन से की गई। इसके पश्चात छात्राओं ने वज्रासन, ताड़ासन, सूर्य नमस्कार, हलासन सहित कई योगासन सीखे। आशीष लोहान और देव वंदना ने प्रत्येक योगासन के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। गुरुकुल की सभी छात्राओं, शिक्षिकाओं और कार्यकारिणी सदस्यों ने पूरे उत्साह से योगाभ्यास किया। शिविर में गुरुकुल प्रधान सुखबीर सिंह मान, सचिव ओम प्रकाश मान, तेजवीर खरब, ईश्वर, राज सैनी, सुरेंद्र, पूर्व प्रधान दिलीप सिंह मान, दलबीर सिंह तथा समस्त कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। बीएड कॉलेज की प्राचार्य सुनीता सहरावत, विद्यालय प्रधानाचार्य गुरप्रीत कौर, शिक्षिकाएँ, क्लर्क, कोच, वार्डन और सभी छात्राओं ने सहभागिता की। समापन पर गुरुकुल प्रधान सुखबीर सिंह मान, सचिव ओम प्रकाश मान, प्राचार्य सुनीता सहरावत और प्रधानाचार्य गुरप्रीत कौर ने मुख्य अतिथियों को गुरुकुल स्मारिका व स्वामी दयानंद का चित्र भेंटकर सम्मानित किया। विद्यालय प्रधानाचार्य गुरप्रीत कौर ने सभी का धन्यवाद किया और समय-समय पर ऐसे योग शिविर आयोजित करने की आवश्यकता बताई।

एसएमएस मेमोरियल पब्लिक स्कूल में स्पोर्टस मीट का भव्य समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ तरावड़ी

तरावड़ी। खेलों मे भाग लेते स्कूल के बच्चे व विजेता बच्चों के साथ प्रधानाचार्य डॉ. विभा कौशिक। फोटो : हरिभूमि

एस.एम.एस. मेमोरियल पब्लिक स्कूल में बाल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद समारोह का समापन दूसरे दिन उत्साह, उमंग और रोमांचक प्रतियोगिताओं के साथ हुआ। दूसरे दिन के कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रबंधक सरदार गुरशरण सिंह ग्रेवाल व प्राचार्या डॉ विभा कौशिक द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई। दूसरे दिन मुख्य रूप से बड़ी कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न ट्रैक और फील्ड इवेंट्स आयोजित किए गए, जिनमें बच्चों ने उत्कृष्ट प्रतिभा, फुर्ती और खेल भावना का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने जिन प्रमुख खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया, वे थीं—100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, शॉट-पुट, थ्री-लेग रेस (सीनियर), रिले रेस (4 गुणा 100 मी), वॉलीबॉल मैच तथा बैडमिंटन मुकाबले।

जेपीएस अकादमी में सड़क सुरक्षा पर कार्यक्रम

करनाल। जेपीएस अकादमी निसिंग में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों को सुरक्षित यातायात व्यवहार के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में होंडा की सुरक्षा टीम ने 2300 से अधिक छात्रों को जेब्रा क्रॉसिंग का सही उपयोग, मोबाइल से ध्यान न भटकाना, हेलमेट पहनने का महत्व और सावधानी से सड़क पार करने जैसी आवश्यक बातें सीखी। होंडा स्कूटर की टीम ने प्रैक्टिकल डेमोंस्ट्रेशन और इंटरएक्टिव मॉड्यूल के माध्यम से छात्रों को बताया कि सड़क सुरक्षा रोजमर्रा की जिम्मेदारी है। अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों को जागरूक कर उन्हें अपने परिवार और समाज में सुरक्षा संदेश पहुंचाने के लिए प्रेरित करना था। अकादमी के प्रिंसिपल बलराज सिंह के अनुसार, इस तरह के कार्यक्रम छात्रों में अनुशासन व सजगता को बढ़ाते हैं और सड़क हादसों में कमी लाने में मददगार साबित होते हैं। कार्यक्रम होंडा द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा अभियान का हिस्सा है।

बच्चों ने गोसेवा कर मनाया बाल दिवस

करनाल। श्री कृष्ण गऊशाला में करनाल इंटरनेशनल स्कूल सुबरी कुंजपुरा के 148 छात्रों ने बाल दिवस के अवसर पर गौपूजन और सेवा कार्य किया। गऊशाला प्रधान सुनील गुप्ता ने बच्चों को गायों का सांस्कृतिक और पोषण संबंधी महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि गाय एक मां की तरह पोषण देती है और बच्चों को मजबूत बनाने वाला सबसे उत्तम दूध प्रदान करती है। बच्चों ने गौमाता की पूजा की, परिक्रमा की और बछड़ों के साथ समय बिताया। बच्चों ने गायों को गुड़, घास और पौष्टिक लड्डू खिलाए। गऊशाला प्रबंधन में सुनील गुप्ता, डॉ. एस.के. गोयल, राम कुमार गुप्ता, अरुण गुप्ता, दुलिया राम शर्मा ने बच्चों का स्वागत किया।

ऊंचा समाना में क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन, युवाओं में दिखा उत्साह

करनाल। ऊंचा समाना गांव के स्टेडियम में ऊंचा समाना क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने किया। इस प्रतियोगिता में आसपास की 16 टीमें भाग ले रही हैं। कल्याण ने कहा कि खेल जीवन का अभिन्न अंग हैं। खेल अनुशासन, आत्मविश्वास और शरीर को स्वस्थ रखते हैं। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने और खेलों में रुचि बढ़ाने का संदेश दिया। उन्होंने आयोजकों को हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया।पूर्व सरपंच निशांत राणा ने बताया कि टूर्नामेंट छह दिन तक चलेगा और सभी मैच 20–20 ओवरों के होंगे। समाचार लिखे जाने तक कुटेल और ऊंचा समाना की टीमों के बीच मुकाबला जारी था। मौके पर नीरज, गोवर्धन, वीरभान, वेनू राणा आदि उपस्थित रहे।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने पुनर्चक्रण केंद्र का भ्रमण किया

करनाल। पं. चिरंजी लाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रेखा त्यागी के निर्देशन में एन.एस.एस. इकाई–1 के स्वयंसेवकों ने नगर निगम करनाल के सेक्टर–13 स्थित पुनर्चक्रण केंद्र का शैक्षिक भ्रमण किया। यह केंद्र करनाल की अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली की मुख्य कड़ी है। केंद्र में गुरदेव सिंह ने कचरा छंटाई, जैव खाद निर्माण, पुनः उपयोग, गीले-सूखे कचरे के विभाजन और यांत्रिक छंटाई प्रणाली के बारे में विस्तार से बताया। ्रमण के बाद स्वयंसेवकों ने एम.आर.एफ. केंद्र से महाविद्यालय तक स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली। रैली में स्वच्छता का दिया संदेश

करनाल सहकारी चीनी मिल को तकनीकी दक्षता में राज्य स्तरीय द्वितीय पुरस्कार मिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

करनाल सहकारी चीनी मिल को अखिल भारतीय 72वें सहकारिता सप्ताह के राज्य स्तरीय समारोह में तकनीकी दक्षता में शत-प्रतिशत प्रदर्शन करने पर द्वितीय पुरस्कार मिला है। यह जानकारी प्रबंध निदेशक अदिति ने दी। उन्होंने बताया कि करनाल मिल को लगातार तीन बार राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। अदिति ने बताया कि मिल का निर्माण वर्ष 1976 में 116 एकड़ भूमि में 1250 टीसीडी क्षमता के साथ किया गया था। वर्ष 1991–92 में किसानों की मांग और उत्पादन बढ़ने पर क्षमता बढ़ाकर 2200 टीसीडी कर दी गई। वर्तमान केंद्रीय मंत्री व पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा मुख्यमंत्री स्वर्ण जयंती परियोजना के तहत वर्ष 2019 में विस्तारीकरण की घोषणा की गई और वर्ष 2021 में 3500 टीसीडी रिफाइंड शुगर प्लांट व 18 मेगावाट बिजली संयंत्र ने कार्य करना शुरू किया। वर्ष 2024–25 में करनाल मिल ने 48.10 लाख क्विंटल गन्ना पिराई किया, 4.55 लाख क्विंटल रिफाइंड चीनी का उत्पादन किया और बिजली निर्यात से 22 करोड़ 67 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया। अदिति ने बताया कि इस वर्ष मिल का पिराई सत्र 25 नवम्बर से शुरू होगा तथा उन्होंने किसानों से साफ-सुथरा गन्ना भेजने की अपील की।

विधायक जगमोहन आनंद ने की स्कूल की प्रशंसा

शैमरॉक इंटरनेशनल स्कूल के सिल्वर जुबली समारोह में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

विधायक बच्चों शिक्षा के प्रति किया प्रेरित

विधायक ने कहा कि छोटे बच्चों को संस्कार व मर्यादा के गुण शुरू से सिखाए जाते हैं क्योंकि लापरवाही की शुरूआत बचपन से होती है और फिर सारी उम्र उसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। इस 25 बरस के सफर में साथ देने वाले स्टाफ, सलाहकार व सभी साथियों का दिल से आभार। सिल्वर जुबली समारोह में गेस्ट ऑफ ऑनर करनाल भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर, 48 कोस कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के चेयरमैन संजय बठला, केंद्रीय मंत्री व पूर्व सीएम मनोहरलाल के प्रतिनिधि कविंद्र राणा, हरियाणा वेलफेयर सोसायटी की चेयरपर्सन मेघा भंडारी ,पार्षद संकल्प भंडारी, और हरियाणा स्टॉफ सलेक्शन बोर्ड के सदस्य कपिल अत्रेजा ने भी शैमरॉक स्कूल के शानदार 25 बरस पूरे होने पर एसपी चौहान व स्टॉफ को बधाई दी।

वर्षों से बच्चों की नींव को मजबूत आधार और संस्कार देने के लिए प्रदेश में विख्यात सेक्टर 6 स्थित शैमरॉक इंटरनेशनल स्कूल के सिल्वर जुबली समारोह का नजारा देखने लायक था। स्कूल स्टाफ ने प्रिंसिपल कपिला के निर्देशन में पूरी तैयारी कर रखी थी, रंग बिरंगी पोशाकों में आए बच्चों के पाँव ज़मीं पर नहीं लग रहे थे, यही हाल उनके साथ आए अभिभावकों का था। स्कूल निदेशक व नवचेतना मंच के संयोजक एसपी चौहान स्कूल की 25वीं सालगिरह पर भावभीने थे, उन्हें स्कूल की 25 साल की यात्रा याद आ रही थीं, आज उन्हें वो अभिभावक व बच्चे भी कृतज्ञ भाव से मिले जो 25बरस पहले पढ़ लिखकर जीवन का नया मुकाम हासिल कर चुके थे। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि करनाल विधायक जगमोहन आनंद व विशिष्ठ अतिथि करनाल मेयर रेनू बाला गुप्ता रहे।

बतौर मुख्य अतिथि विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि वे शैमरॉक इंटरनेशनल स्कूल की नींव के समय से इसके गवाह रहे हैं, हजारों बच्चे यहां से निकलकर आज प्रदेश व देश का नाम रोशन कर रहे हैं। शैमरॉक इंटरनेशनल स्कूल एसपी चौहान साहब की मेहनत का जीता जागता प्रमाण है। विशिष्ठ अतिथि मेयर रेनू बाला गुप्ता ने कहा कि शैमरॉक स्कूल शिक्षा की नर्सों में बहता है शैमरॉक इंटरनेशनल स्कूल के संचालक व जाने माने शिक्षाविद एसपी चौहान ने कहा कि 25 बरस पहले जिस नए व अंजान सफर की शुरूआत की थी, आज वह वट वृक्ष बन चुका है।

श्री खाटू श्याम मंदिर में उत्पन्ना एकादशी धूमधाम से मनाई, भक्तों की उमड़ी श्रद्धा

करनाल। शहर की पुरानी अनाज मंडी स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में उत्पन्ना एकादशी का पर्व मंगलवार को बड़े श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। तड़के सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं। श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के दरबार में दर्शन किए, फूलों से सजे भव्य स्वरूप के आगे नतमस्तक होकर आशीर्वाद प्राप्त किया। पंडित दीपक पांडे ने बताया कि उत्पन्ना एकादशी मार्गशीर्ष महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी को मनाई जाती है और इसी दिन माता उत्पन्ना का जन्म हुआ था। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने से सभी कष्टों का निवारण होता है और साधक को मोक्ष की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि जो भी भक्त उत्पन्ना एकादशी का व्रत रखते हैं, उन्हें व्रत कथा का पाठ अवश्य करना चाहिए, तभी व्रत पूर्ण फल देता है। मंदिर के मुख्य सेवक देसराज गुप्ता ने बताया कि हर एकादशी पर मंदिर में भजन-कीर्तन का विशेष आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर देसराज गुप्ता, राजेश गर्ग, महेंद्र गुप्ता, अनिल गर्ग, राम करण गोयल, अशोक सिंघला, पवन गुप्ता, राजेश सिंघला, हरीश सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

डिजाइन बनाने में कृतिका अव्वल

पानीपत। आईबी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वाणिज्य तथा प्रबंधन विभाग द्वारा एमकॉम प्रथम वर्ष में डिजाइन बुकमार्क प्रतियोगिता करवाई गई। वहीं, प्राचार्या डॉ.शशि प्रभा मलिक ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। जबकि वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ.सुनित शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में कृतिका ने प्रथम, वंदना द्वितीय, स्मृति व ईशा तृतीय रही। जबकि राजीव को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

छात्राओं ने बाल दिवस मनाया

पानीपत। आर्य गर्ल्स पब्लिक स्कूल के जूनियर विंग की कक्षा नर्सरी से द्वितीय की छात्राओं ने बाल दिवस साथ मनाया। वहीं, अध्यापिकाओं व छात्राओं ने भारत रत्न देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को जयंती पर नमन किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या मीनाक्षी अरोड़ा

हत्या के केस में 24 साल से फरार आरोपी पकड़ा

पानीपत। पानीपत की अदालत में जयराम निवासी गांव भीकमपुरा जिला देवरिया, उत्तर प्रदेश की हत्या के आरोप में 24 साल से फरार आरोपी ओमप्रकाश निवासी गांव कारूंदी जिला बलिया उत्तर प्रदेश ने सरेंडर किया है। वहीं थाना चांदनी बाग पुलिस ने आरोपी ओमप्रकाश को कोर्ट से एक दिन के रिमांड पर लिया है। ओमप्रकाश ने 31 दिसंबर, सन 2001 में जयराम की परने से गला दबाकर हत्या कर शव को हुडा सेक्टर 25 में जीटी रोड के साथ लगते नाले में फैंका था। इधर, थाना चांदनी बाग प्रभारी इंस्पेक्टर महीपाल ने बताया कि आरोपी ओमप्रकाश ने रंजिशन जयराम की हत्या करना स्वीकारा है। वहीं इस केस में थाना चांदनी बाग में गांव नांगल खेड़ी निवासी सुरजा पुत्र लालचंद की शिकायत पर केस दर्ज है।

पुलिस टीम ने लूट का आरोपी पकड़ा

पानीपत। सीआईए टू पुलिस टीम ने ई रिक्शा चालक गगन पुत्र संजीव निवासी विकास नगर, पानीपत को सौदापुर गांव के खेतों में हथियार के बल पर बंधक बना ई रिक्शा व नगदी लूट करने के दूसरे आरोपी पिंकेश पुत्र राजेंद्र निवासी गांव मिंढकाली जिला मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है। वहीं, आरोपी पिंकेश के खिलाफ पहले भी आर्म्स एक्ट व अपहरण के प्रयास के केस दर्ज है। वहीं, इस मामले में थाना पुराना औद्योगिक में केस दर्ज है।

विक्टर स्कूल में खेल उत्सव मनाया

पानीपत। पानीपत के तहसील कैम्प कृष्ण नगर स्थित विक्टर पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में तीन दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव का समापन किया गया। मुख्यअतिथि स्कूल की मार्गदर्शिका सुरेष्ठा गांधी ने विजेता खिलाड़ियों अनन्या, सिया, यांशु वर्मा, हिमानी, हरनीत, मोहित वर्मा, दक्ष, लोकेश, हर्ष, गौरव, प्रिंस, माणिक, अंश, रवि, कार्तिक, दिव्यांशु, रक्षित, शुभनीत को पुरस्कृत किया।

डीईओ ने स्कूलों को जांचा

पानीपत। जिला शिक्षा अधिकारी राकेश बूरा ने पहले चार बसों को हरी झंडी दिखाकर जिले के लगभग 130 विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव कुरुक्षेत्र रवाना किया। वहीं, बूरा ने राजकीय स्कूल तहसील कैंप, गांव भैंसवाल, कुटानी, राजाखेड़ी, बबैल के राजकीय स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। इस अवसर पर नवीन मुंडाल, जितेंद्र सैनी, कर्मबीर, प्रदीप, मनीष, राजेश व अरुण मलिक आदि उपस्थित रहे।

गीता महोत्सव आयोजित

पानीपत। पानीपत के गांव बापौली के राजकीय वरिष्ट माध्यमिक स्कूल में गीता महोत्सव का आयोजन अत्यंत भव्यता और उत्साह के साथ किया गया। विद्यालय प्रांगण अध्यात्म, संस्कृति और सद्भाव से सराबोर रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को गीता के संदेश, नैतिक मूल्यों और भारतीय संस्कृतिसे जोड़ना था, जिसमें विद्यालय के छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

एसडी कॉलेज में छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने को कार्यशाला आयोजित

कला के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं: डॉ. अरोड़ा

गृह विज्ञान की छात्राओं के साथ-साथ कॉलेज के अन्य संकायों की छात्राओं ने हिस्सा लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

एसडी पीजी कॉलेज पानीपत में पीडीलाइट कंपनी द्वारा प्रायोजित तीन दिवसीय कार्यशाला का विधिवत समापन हो गया। वहीं, तीन दिवसीय कार्यशाला में पीडीलाइट विषय विशेषज्ञ अलका जैन ने छात्राओं को स्टोन पेंटिंग, पॉट पेंटिंग और ज्वेलरी मेकिंग के टिप्स के साथ व्यावहारिक ज्ञान एवं प्रशिक्षण दिया। इस कार्यशाला में गृह विज्ञान की छात्राओं के साथ-साथ कॉलेज के अन्य संकायों की छात्राओं ने हिस्सा लिया। वहीं, कार्यशाला में प्रशिक्षिका अलका जैन का स्वागत प्राचार्य डॉ. अनुपम अरोड़ा, डॉ. मोनिका खुराना, प्रो. तन्नू वैद और प्रो निधि ने किया। इधर, अलका जैन ने कहा कि कि पत्थरों के रंग-बिरंगे छोटे-बड़े टुकड़ों का चूरा बनाकर विविधता भरे डिजाइनों पर इन्हें चिपका कर चमकीली स्टोन पेंटिंग तैयार की जाती है । यह देखने में बेहद आकर्षक होती है। इस तरह की पेंटिंग से घर की सज्जा को नई जीवंतता दी जा सकती है। ऐसी पेंटिंग तैयार करने के लिए ऐमेथिस्ट, कैल्सीडोना, कोर्नोलियन, एग्टे, ब्लड स्टोन आदि का इस्तेमाल किया जाता है।

एसडी कॉलेज की छात्राएं अपने उत्पादों का प्रदर्शन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

पॉट और स्टोन पेंटिंग में रोजगार के अवसर

डॉ. अनुपम अरोड़ा ने कहा कि चाहे हम कला के एक विशेष क्षेत्र में रुचि रखते हो या एक स्वतंत्र कलाकार बनना चाहते हो, स्टोन और पॉट पेंटिंग में एक सफल करियर बनाने की अपार संभावनाएं है। प्रो. तन्नू वैद ने कहा कि पॉट और स्टोन पेंटिंग में रोजगार के अवसर हैं।

समालखा। गुरुद्वारा नानक दरबार साहब में गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस को लेकर चर्चा करते हुए जगतार सिंह आदि। फोटो : हरिभूमि

गुरू तेग बहादुर ने बलिदान दे धर्म की रक्षा की : सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ समालखा

गुरुद्वारा नानक दरबार साहब मॉडल टाउन में हिंद की चादर श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस बड़े आदर व सत्कार के साथ 25 नवंबर को मनाया जाएगा। इस उपलक्ष्य में गुरुद्वारा साहिब में श्री सहज पाठ साहिब के भोग पाए जाएंगे। जबकि धार्मिक दिवान सजाएं जाएंगे। यह जानकारी देते हुए गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान जगतार सिंह ने बताया कि गुरु तेग बहादुर एक महान योद्धा, आध्यात्मिक व्यक्तित्व और मातृभूमि के प्रेमी नौवें सिख गुरु श्री गुरु तेग बहादुर के बलिदान की मानवता सदैव ऋणी रहेगी। उन्होंने धर्म, मातृभूमि और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए अपना सब कुछ बलिदान कर दिया। इसीलिए उन्हें हिंद की चादर के सर्वोच्च सम्मान से नवाजा गया। इस अवसर पर जीवन सिंह, सुरेन्द्र कुमार, अंकुर बंसल, अमनदीप, गुरप्रीत सिंह, शैली सिंह, देव मल्होत्रा, गुरमुख सिंह, अमरजीत सिंह, श्याम सिंह समेत बडी संख्या

इंडिया अस्मिता रग्बी लीग में छाया पानीपत

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

खेलो इंडिया अस्मिता रग्बी लीग का आयोजन उग्राखेड़ी स्टेडियम में किया गया। जिसमें अंडर 12, 15, 18 एवं सीनियर वर्ग में बालिकाओं ने भाग लिया। वहीं, प्रतियोगिता में अंडर 12 बालिकाएं प्रथम नलवा स्कूल पानीपत, द्वितीय शहीद भगत सिंह स्पोर्ट्स क्लब सफीदों, तृतीय पाइट स्कूल एनएफएल रही। अंडर 15 में प्रथम नलवा लवली पब्लिक स्कूल पानीपत, द्वितीय गैलेक्सी इंटरनेशनल स्कूल हिसार एवं पाइट स्कूल हुडा पानीपत की टीम रही। जबकि अंडर 18 में प्रथम गैलेक्सी इंटरनेशनल स्कूल हिसार, द्वितीय आर्य स्कूल पानीपत, तृतीय शहीद भगत सिंह स्पोर्ट्स एकेडमी चरखी दादरी रही। इसके अलावा सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान ग्लैडिएटर रग्बी क्लब पानीपत, द्वितीय शहीद भगत सिंह स्पोर्टस एकेडमी चरखी दादरी एवं तृतीय उग्राखेड़ी की टीम रही। वहीं विजेताओं को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पानीपत वर्षा शर्मा, पानीपत रग्बी एवं राष्ट्रीय सनातन सेना भारत हरियाणा की अध्यक्षा बबीता सिंह, हरियाणा ओलिंपिक संघ के पूर्व सह सचिव नरेंद्र मोर, जिला खेल अधिकारी डीएस हुड्डा, सर्किल कबड्डी चेयरमैन एवं समाजसेवी कमल सैनी, पूर्व जेवलिन थ्रोअर एवं स्पोर्टस लाइन के जगदीप सिंह, डॉ.राजेश टूर्ण फिजिकल एजुकेशन आर्य पीजी कॉलेज एवं लेकरॉस संघ हरियाण के सचिव, नलवा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस के चेयरमैन बलकार सिंह, नलवा कॉलेज के प्रिंसिपल राजेश पालीवाल, नलवा लवली स्कूल के प्रिंसिपल सरीन रावल, गुलाब पांचाल, द जीनियस माइंड पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल उषा सैनी तथा शिक्षिका एवं सामाजिक कार्यकर्ता सीमा जून शामिल रही।

पानीपत। खेलो इंडिया अस्मिता रग्बी लीग में विजेता आर्य स्कूल, पानीपत की विजेता टीम। फोटो : हरिभूमि

मौके पर ये मौजूद रहे

इस अवसर पर अमन मलिक, राजेश तक्षक, प्रियंका, राहुल सांगवान, भामिनि पांडे, उर्वशी, अजय, कुलदीप, अजय मलिक, विजय मलिक, परमजीत विर्क, सुरेन्द्र सैनी दिनेश जून आदि उपस्थित रहे।

गांधी आदर्श कॉलेज के विद्यार्थियों ने ऑल ओवर चैंपियन ट्रॉफी जीती

हरिभूमि न्यूज ⏭ समालखा

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित हुई इंटर कॉलेज रेसलिंग प्रतियोगिता में गांधी आदर्श कॉलेज, समालखा के विद्यार्थियों ने ऑल ओवर चैंपियन ट्रॉफी जीती है। इंटर कॉलेज रेसलिंग प्रतियोगिता में गांधी आदर्श कॉलेज की बीए तृतीय वर्ष की छात्रा तनीषा व रिया कौशिक ने गोल्ड मेडल जीता। जबकि बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा काफी देवी व तमन्ना ने 76 किलोग्राम में गोल्ड मेडल जीता। इधर, बीए प्रथम वर्ष की छात्रा दीक्षा ने 57 किलो ग्राम में गोल्ड मेडल जीता। जबकि पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता मे बीए प्रथम वर्ष के छात्र साहिल ने गोल्ड जीता। वहीं, अजय ने ब्रांज मेडल, 70 किलोग्राम में छात्र कृष्ण ने ब्रांज मेडल जीता है। इधर, कॉलेज प्राचार्य डॉ राजपाल, प्रो. डॉ जसवीर, कॉलेज के प्रशासक एसडीएम अमित कुमार ने विजेता पहलवानों को बधाई व उज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

समालखा। इंटर कॉलेज रेसलिंग प्रतियोगिता में गांधी आदर्श कॉलेज के विजेता पहलवान। फोटो : हरिभूमि

पानीपत। आर्य बाल भारती पब्लिक स्कूल की टीचर्स ट्रेनिंग कैंप में भाग लेते हुए।

आंगनवाडी केंद्रों पर बाल विवाह के विरूद्ध जागरूकता अभियान चलाया

पानीपत। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पानीपत, महिला एवं बाल विकास विभाग, संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी तथा एमडीडी आफ इंडिया संस्था के संयुक्त तत्वावधान में पानीपत जिले के चंदौली गांव में स्कूलों, आंगनवाडी केंद्रों पर बाल विवाह के विरूद्ध जागरूकता अभियान चलाया गया। एमडीडी ऑफ इंडिया जिला समन्वयक संजय कुमार ने कहा कि बाल विवाह जैसी कुप्रथा के चलते लड़कियां जीवन में आगे नहीं बढ़ पाती तथा फिर उनका शारीरिक, मानसिक आर्थिक व भावनात्मक विकास रूक जाता है ऐसे में हमें अपनी जिम्मेदारियों को समझना पड़ेगा तथा बेटियो के सपनों को साकार करने में उनका साथ देना होगा, तभी बेटियां अपने जीवन में आगे बढ़ पाएगी। आज भी हमारे समाज में बाल विवाह के आंकड़े देखने को मिलते हैं तथा बाल विवाह का एक कारण लैंगिक भेदभाव भी है इसलिए हम सब को मिलकर बाल विवाह को मिटाने की दिशा एक साथ कदम बढ़ाना होगा तभी लड़कियां शिक्षित एवं स्वस्थ बनेगी। वह बच्चों के जल्द शादी के बारे में ना सोचकर उनकी पढ़ाई के बारे में सोचेंगे। वहीं, स्कूल की प्रधानाचार्य सुमन मोर, सरपंच कविता, एमपीएचडब्ल्यू संदीप, एएनएम राकेश कुमारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कांता देवी, अध्यापक संजय पुंडीर, कुसुम, सीईपीओ सचिन आदि ने ग्रामीणों को बाल विवाह के विरूद्ध जागरूक किया।

पानीपत। आर्य बाल भारती पब्लिक स्कूल की टीचर्स ट्रेनिंग कैंप में भाग लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

आर्य बाल भारती स्कूल में टीचर्स को आधुनिक शिक्षा की ट्रेनिंग दी

■ प्रधानाचार्य डॉ. अशोक आर्य ने नवीनतम शैक्षिक विधियों के साथ जुड़ने के प्रति प्रतिबद्धता जताई

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

आर्य बाल भारती पब्लिक स्कूल द्वारा अपने शिक्षकों के लिए सीबीएसई द्वारा एक दिवसीय जीवन कौशल क्षमता निर्माण अध्यापक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। विशिष्ट संसाधन व्यक्तित्व राजश्री चौधरी और मुकेश रानी ने अपने अनुभव सांझा कर शिक्षकों को सशक्त बनाया। प्रधानाचार्य डॉ. अशोक आर्य ने नवीनतम शैक्षिक विधियों के साथ जुड़ने के प्रति प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि हमारे विद्यालय द्वारा समय-समय पर विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक गतिविधियों और परियोजनाओं का आयोजन किया जाता रहा है। जिससे उनकी भावनात्मक और रचनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ावा मिलता है।

विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रणदीप कादियान ने समावेशी शिक्षा पर बल देते हुए वैदिक शिक्षा के महत्व को भी रेखांकित किया।

हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 के विजेताओं के नाम

ग्यारहवां पुरस्कार (इलैक्ट्रिक कैटल-100 नग)

❖ श्री अजय कुमार सुपुत्र श्री सुंदर लाल, 1910/30, न्यू चिन्योट कॉलोनी, रोहतक ❖ श्री प्रशांत सुपुत्र प्रमोद, नेहरू कॉलोनी, रोहतक ❖ श्री मदन गोपाल सचदेवा सुपुत्र मुलखराज सचदेवा, म. नं. 309/16, प्रताप मोहल्ला, रोहतक ❖ जगबीर सुपुत्र श्री देशराज, गांव मोहम्मदपुर, दुलोठ जाट, अटेली, महेन्द्रगढ़ ❖ रोहित बंसल सुपुत्र श्री दीपक बंसल, वार्ड नं. 6, दीवान गेट, झज्जर ❖ जय नारायण सुपुत्र श्री दुर्गा प्रसाद, साल्हावास, झज्जर ❖ दर्शना देवी धर्मपत्नी धर्मबीर सिंह, गांव दुजाना, बेरी, झज्जर ❖ रतन लाल सुपुत्र श्री समसूराम नांगल चौधरी, महेन्द्रगढ़ ❖ श्री रामचंद्र सुपुत्र रामभगत, अमृत कॉलोनी, वार्ड 22, रोहतक ❖ श्री भगत सिंह सुपुत्र श्री बनवारी लाल, नजदीक रेलवे स्टेशन, वार्ड नं. 2, (आटा चक्की) कलानौर, रोहतक ❖ दिव्या सुपुत्री श्री परवीन, जहाजगढ, बेरी, झज्जर ❖ सुरेश कुमार सुपुत्र श्री बलराम, साल्हावास, झज्जर ❖ निहारिका शर्मा पत्नी दीपक शर्मा निवासी 15/40, 5 बिस्वा, जटवाड़ा मोहल्ला, बहादुरगढ़ ❖ महेन्द्र सिंह सुपुत्र श्री भागचन्द, दुजाना, बेरी, झज्जर ❖ महाबीर सिंह सुपुत्र श्री जागे राम, कबलान, झज्जर ❖ जिया पुत्री श्री अमित निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ शर्मिला पत्नी श्री विरेन्द्र निवासी ओल्ड बस स्टैंड, भिवानी ❖ दिलबाग सिंह सुपुत्र श्री जगत सिंह, निवादा, साल्हावास, झज्जर ❖ राधे श्याम सुपुत्र स्व. श्री हजारी लाल, गांव व डा. नन्दरामपुर बांस, रेवाड़ी ❖ मदन लाल वर्मा सुपुत्र श्री जगदीश प्रसाद म. नं.4, गली नं. 3/1, सरस्वती विहार, कालका रोड, रेवाड़ी ❖ प्रिन्स सुपुत्र श्री अमन, मारोत, मातनहेल, झज्जर ❖ श्री रणवीर सिंह सुपुत्र श्री राम, गांव व डा. तुंबाहेड़ी, झज्जर ❖ मामन सिंह सुपुत्र श्री चन्द्रभान, गांव चलड़ा, बेरी, झज्जर ❖ दयानन्द सुपुत्र श्री मंगलराम, गांव लूखी, कोसली, रेवाड़ी ❖ धर्मबीर सिंह सुपुत्र श्री सुरजभान, नारनौल, महेन्द्रगढ़ ❖ अमन सोलंकी पुत्र श्री श्रीपाल सोलंकी, निवासी मकान नं0 2459, सैक्टर 2, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ मधुबाला पत्नी श्री जय भगवान निवासी मकान नं.840/13, गली नं.10 भगत सिंह कालोनी, बहादुरगढ़ ❖ मनोज कुमार पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह निवासी गांव डाबौदा कलां, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ तेजबीर राठी पुत्र श्री जागेराम निवासी गांव व डाकखाना सांखौल, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ विनोद कुमार पुत्र श्री मनोहर लाल गांव व डाकखाना सांवड़, जिला चरखी दादरी ❖ रमन सुपुत्र श्री रिंकू, दगड़ौली, बाढड़ा, चरखी दादरी ❖ सुनीता पत्नी मुकेश निवासी रामनगर, परनाला रोड़, गली नं.4, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ सुरेन्द्र कुमार सैन पुत्र श्री सन्जू निवासी गुजरों की ढाणी, पुराना बस स्टैंड, भिवानी ❖ श्री महेंद्र सिंह सुपुत्र खेड़ी सिंह, गांव व ड. भालौठ, रोहतक ❖ मयंक पुत्र श्री जतिन कुमार निवासी गांव हनुमान ढाणी, जिला भिवानी ❖ सुलेखा पत्नी श्री हरिओम निवासी गांव रोहद, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ श्याम करण पुत्र श्री सोनी लाल निवासी छिकारा कालोनी, गली नं.5, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ दयाराम पुत्र श्री कमलेश निवासी आर्य नगर, गली नं.2, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ देवेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री राजिन्द्र सिंह, गांव व डा. शीशवाला, दादरी ❖ समीर पुत्र श्री प्रदीप निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ उमेश पुत्र श्री हव सिंह निवासी 12/410, सैनी पुरा, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ हवा सिंह पुत्र श्री लखीराम निवासी गांव व डाकखाना गोयला कलां, बदली, झज्जर ❖ आशीष वर्मा पुत्र श्री बलवान सिंह निवासी सुहासरा, लोहारू, जिला भिवानी ❖ श्री राकेश कुमार सुपुत्र ब्रह्मजीत सिंह, गांव व डा. बोहर, रोहतक ❖ परवीन कुमार सुपुत्र श्री दिलबाग सिंह गांव व डा. लोहारहेड़ी, बहादुरगढ, झज्जर ❖ श्री रवि सुपुत्र हरि सिंह, 822, दरमान मौहल्ला, रोहतक ❖ हर्ष मित्तल पुत्र श्री रविन्द्र कुमार निवासी मकान नं 5, नजदीक लिबर्टी होम्स, शिव नगर कालोनी, भिवानी ❖ श्री अंकुर सुपुत्र श्री रामफल, खरक जाटान, बैंसी, तह. महन, रोहतक ❖ मोहिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री कन्हैया लाल, गांव लोहारहेड़ी, बहादुरगढ, झज्जर ❖ वीर भान पुत्र श्री काली चरण निवासी मकान 802/19, आर्य नगर, रोहतक

शेष विजेताओं की सूची अगले अंक में देखें

आवश्यक सूचना :

1. सभी पुरस्कारों का वितरण 1 दिसम्बर 2025 से किया जाएगा।
2. पुरस्कार संख्या 1 से 3 तक के विजेताओं को हरिभूमि मुख्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, रोहतक से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
3. पुरस्कार संख्या 4 से 13 उपहार के विजेताओं को संबंधित हरिभूमि कार्यालय अभिकर्ता से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
4. यदि किसी भी पुरस्कार पर सरकार के नियमानुसार टी.डी.एस. लागू होगा तो विजेता को लागू टी.डी.एस. की राशि हरिभूमि कार्यालय में एडवांस में जमा करनी होगी।
5. पुरस्कार प्राप्त करने के लिए आपको अपने साथ पुरस्कार विजेता की फोटो आईडी की फोटो प्रति जमा करनी होगी। मूल प्रति को मिलान हेतु साथ में लाना अनिवार्य है।
6. अधिक जानकारी के लिए आप निम्न नम्बरों पर हरिभूमि प्रसार विभाग में प्रात: 11.00 से सायं 4.00 बजे तक सम्पर्क कर सकते हैं :- फोन : 9253681019-20

- कार्यालय पता -

हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

बिहार में एनडीए सरकार के विकास की जीत हुई : नवीन

■ एनडीए की बिहार में ऐतिहासिक जीत की खुशी में मिठाई बांटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

भाजपा जिला उपाध्यक्ष नवीन भाटिया ने बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन की जीत खुशी में जनता को मिठाई बांटी। वहीं भाटिया ने कहा कि बिहार लालू एंड कंपनी के राज में न केवल पिछड़ा राज्य था बल्कि जंगलराज राज था। लूट, डकैती, अपहरण आम बात थी। जबकि एनडीए के नेतृत्व वाली नीतीश कुमार की सरकार में चौतरफा विकास हुआ।

बुढ़ापा पेंशन में वृद्धि, बेहतरीन रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर, शराबबंदी से आम जनता का जीवन स्तर में सुधार हुआ। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की ईमानदार छवि व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व ने बिहार तेजी से तरक्की करेगा। इस अवसर पर उनक साथ चांद भाटिया, चेतन तनेजा, गौरव लीखा आदि भाजपा नेता भी उपस्थित रहे।

पानीपत। भाजपा जिला उपाध्यक्ष नवीन भाटिया, अपने साथियों के साथ प्रसन्न मुद्रा में। फोटो : हरिभूमि

न्यायालय तहसीलदार-कम-सब-रजिस्ट्रार पानीपत

श्री महेश भोसले सुपुत्र श्री लक्ष्मण भोसले निवासी मकान नं. 336/2, नजदीक किला ठठेरा बाजार, पानीपत। बनाम जनरल पब्लिक

इस इश्तहार के माध्यम से हर आम व ख्याास को सूचित किया जाता है कि श्री लक्ष्मन दास उर्फ लक्ष्मन अकाराम भोसले सुपुत्र श्री अकाराम की मृत्यु दिनांक 21/01/2024 को हो चुकी है। यह कि श्रीमति शीला देवी उर्फ शीला लक्ष्मण भोसले की मृत्यु दिनांक 18/10/2023 को हो चुकी है। यह कि श्रीमति गोदा बाई धर्मपत्नी श्री अकाराम की मृत्यु काफी अरसे पहले हो चुकी है। यह कि श्री लक्ष्मन दास उर्फ लक्ष्मन अकाराम भोसले सुपुत्र श्री अकाराम की मृत्यु उपरांत 2 वारिस है 1. रूपाली अशोक देशमुख सुपुत्री 2. महेश सुपुत्र श्री लक्ष्मन दास उर्फ लक्ष्मन अकाराम भोसले सुपुत्र श्री अकाराम है। इनके इलावा अन्य कोई वारिस नही है। यह कि श्री लक्ष्मन दास उर्फ लक्ष्मन अकाराम भोसले सुपुत्र श्री अकाराम की मृत्यु के बाद अन्य कोई वारिस/उत्तराधिकारी नहीं है। जिसके सम्बन्ध में प्रार्थी ने शपथ पत्र भी प्रस्तुत किया है। इसलिए हर आम व खास को इस इश्तहार/नोटिस के माध्यम से सुचित किया जाता है कि उपरोक्त मृतक के बताये गये वारिस/उत्तराधिकारी के बाबत कोई शक एवं एतराज हो तो वह स्वयं/अधिवक्ता के माध्यम से इस नोटिस के प्रकाशन के उपरान्त 15 दिन के अन्दर-2 इस कार्यालय में कार्यदिवस के दिन अपनी आपत्ति पेश कर सकता है। अन्यथा उपरोक्त तथ्यों के आधार पर दस्तावेज का पंजीकरण कर दिया जायेगा। यह नोटिस बाबत इश्तहार आज दिनांक 13-11-2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर द्वारा जारी किया गया। जिसका क्रमांक नं.1140 है।

तहसीलदार-कम-संयुक्त-सब-रजिस्ट्रार, पानीपत

न्यायालय तहसीलदार-कम-सब-रजिस्ट्रार पानीपत

विपिन वधवा सुपुत्र श्री मुंशी राम निवासी मकान नं.1854, सैक्टर 12, हुडा, पानीपत। बनाम जनरल पब्लिक

इस इश्तहार के माध्यम से हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि विपिन वधवा सुपुत्र श्री मुंशी राम निवासी मकान नम्बर 1854, सैक्टर 12, हुडा पानीपत ने एक दस्तावेज पंजीकृत हेतू इस कार्यालय में पेश किया है। जिसमें स्पष्ट रूप से बताया गया है यह कि श्री भगवान दास सुपुत्र श्री विसाखी राम की मृत्यु दिनांक 22/12/1993 को हो चुकी है। यह कि श्रीमति रामप्यारी धर्मपत्नी श्री भगवान दास की मृत्यु काफी अरसे पहले हो चुकी है। यह कि श्रीमति भिरावा देवी धर्मपत्नी श्री विसाखी राम की मृत्यु काफी अरसे पहले हो चुकी है। यह कि भगवान दास सुपुत्र श्री विसाखी राम की मृत्यु के बाद उपरांत 2 वारिस है 1. अशोक कुमार 2 मुंशी राम उर्फ मुंशी लाल सुपुत्रगण श्री भगवान दास है। यह कि श्री अशोक कुमार सुपुत्र श्री भगवान दास की मृत्यु दिनांक 28/11/2024 को हो चुकी है। यह कि अशोक कुमार सुपुत्र श्री भगवान दास की मृत्यु के बाद उपरांत 4 वारिस है 1. ललिता धर्मपत्नी 2. कमल 3. हितेश 4. विकास सुपुत्रगण श्री अशोक कुमार सुपुत्र श्री भगवान दास है। यह कि मुंशी राम उर्फ मुंशी लाल सुपुत्रगण श्री भगवान दास की मृत्यु दिनांक 23/01/2023 को हो चुकी है। यह कि मुंशी राम उर्फ मुंशी लाल की मृत्यु के बाद उपरांत 4 वारिस है 1. सत्या रानी धर्मपत्नी 2.विपिन सुपुत्र 3. सीमा 4. मोना रानी सुपुत्रीयान श्री मुंशी राम उर्फ मुंशी लाल सुपुत्रगण श्री भगवान दास है। यह कि मोना रानी सुपुत्री श्री मुंशी राम उर्फ मुंशी लाल की मृत्यु दिनांक 27/04/2019 को हो चुकी है। यह कि मोना रानी सुपुत्री श्री मुंशी राम उर्फ मुंशी लाल की मृत्यु के बाद उपरांत 1 वारिस है 1. कृष्णा सुपुत्र मोना रानी सुपुत्री श्री मुंशी राम उर्फ मुंशी लाल है। इनके इलावा अन्य कोई वारिस नहीं है। पटवारी हल्का तथा नगर पार्षद द्वारा भी अपनी रिपोर्ट में इन्ही वारसान की तसदीक की गई है- यह कि भगवान दास सुपुत्र श्री विसाखी राम के बाद अन्य कोई वारिस/उत्तराधिकारी नहीं है। जिसके सम्बन्ध में प्रार्थी ने शपथ पत्र भी प्रस्तुत किया है। इसलिए हर आम व खास को इस इश्तहार/नोटिस के माध्यम से सुचित किया जाता है कि उपरोक्त मृतक के बताये गये वारिस/उत्तराधिकारी के बाबत कोई शक एवं एतराज हो तो वह स्वयं/अधिवक्ता के माध्यम से इस नोटिस के प्रकाशन के उपरान्त 15 दिन के अन्दर-2 इस कार्यालय में कार्यदिवस के दिन अपनी आपत्ति पेश कर सकता है। अन्यथा उपरोक्त तथ्यों के आधार पर दस्तावेज का पंजीकरण कर दिया जायेगा। यह नोटिस बाबत इश्तहार आज दिनांक 12-11-2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर द्वारा जारी किया गया। वजिसका क्रमांक नं.1137 है।

तहसीलदार-कम-सब-रजिस्ट्रार, पानीपत

खबर संक्षेप

ऑप्रेशन ट्रैक अभियान के तहत आरोपी दबोचे

अंबाला। पुलिस द्वारा चोरी,लूट, डकैती व स्नैचिंग की वारदातों पर रोक लगाने के लिए ऑप्रेशन ट्रैक डाउन चलाया जा रहा है। इस दौरान आपराधिक मामले में वांछित आरोपियों के खिलाफ कठोरता से कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में थाना मुलाना में दर्ज हत्या का प्रयास मामले में पुलिस ने आरोपी रामचंद्र, राजेश कुमार उर्फ रिंकू, मिंटू, प्रवीण कुमार, अनिल कुमार, रमनदीप सिंह, गौरव कुमार, पंच राम, साहिल, अमित, सागर, राजिंद्र कुमार, जसविंद्र सिंह, जयदेव सिंह उर्फ बिट्टू व दवेंद्र उर्फ बिंद्र को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। परिवादी सुखबीर वासी गांव धनौरा ने 14 नवंबर 2022 को शिकायत दर्ज करवाई की आरोपी शुभम उर्फ बंटी व अन्य ने 13 नवंबर 2022 को उससे व उसके साथियों के साथ साजिश के तहत मारपीट कर चोट पहुंचाने व गाडियों को नुकसान पहुंचाने का अपराधिक कार्य किया हैं। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच की थी।

स्नेचिंग में तीन आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना पड़ाव में दर्ज स्नेचिंग के मामले में सीआईए-2 ने आरोपी हरजीत सिंह उर्फ गुड्डू व प्रिंस कुमार व जय प्रकाश उर्फ बंगाली को गिरफ्तार किया है। डेहलों गांव के जय राम ने 13 नवंबर 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि पुल के नीचे बस स्टैंड अंबाला छावनी के पास से आरोपियों ने उससे नकद राशि छीन ली है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

गीतों भरी शाम कार्यक्रम का आयोजन कल होगा

अंबाला। कैंट प्रभारी और व्यवस्थापक राकेश आहूजा ने बताया कि सोमवार 17 नवंबर को बैंक रोड़ स्थित फारूखा खालसा सीनियर सैकेंडरी स्कूल के सभागार में सांय 4 से 7 बजे तक गीतों भरी शाम कार्यक्रम सदाबहार गीत का आयोजन होगा। वरिष्ठ पदाधिकारी सुरेंद्र धीमान कार्यक्रम अधिकारी बनाए गए हैं जबकि मंच का संचालन सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रमुख इंद्र परुथी करेंगे। कार्यक्रम में अम्बाला,कुरूक्षेत्र,पंचकूला एवं राजपुरा आदि शहरों से गायक रंगारंग फिल्मी गीतों की प्रस्तुति देंगे।

पीएम राष्ट्रीय प्रशिक्षु मेले का आयोजन सत्रह को

बराड़ा। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बराड़ा एट होली में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय प्रशिक्षु मेले का आयोजन किया जा रहा है। संस्थान के प्रधानाचार्य अश्वनी ने बताया कि भारत सरकार की योजना के तहत राज्य के एक-तिहाई जिलों में प्रत्येक माह इस मेले का आयोजन सुनिश्चित किया जाता है, ताकि युवाओं को प्रशिक्षुता एवं रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा सकें। बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय प्रशिक्षु मेले में इस बार कई प्रमुख कंपनियां हिस्सा ले रही हैं।

घर की छत से गुजर रही हाई वोल्टेज की तार से बच्चे को लगा करंट, दांई बाजू काटनी पड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शहजादपुर

गांव नगला नानकू में घर की छत के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्टेज बिजली की तारों की चपेट में आने से 4 वर्षीय एक बच्चा झुलस गया। गंभीर हालत में उसे पीजीआई चंडीगढ़ में दाखिल करवाया है। इलाज के दौरान डॉक्टरों को उसका दायां हाथ व बाजू काटनी पड़ा। परिजनों व ग्रामीणों ने परिवार वालों को मुआवजा दिये जाने की मांग की है। एसडीओ बिजली विभाग को दी अपनी शिकायत में गांव नगला नानकू के जसविंद्र सिंह ने कहा कि उसके ताया के घर के ऊपर से बिजली की 11 हजार वोल्टेज तारें

गुजर रही हैं। उसका बेटा जसप्रीत सिंह जोकि लगभग 4 वर्ष का है सुबह लगभग 9 बजे अचानक से छत पर चला गया। छत के उपर से गुजर रही तारों ने उसे अपनी चपेट में ले लिया है। इसकी वजह से बेटे को जबरदस्त करंट लगा।

मुआवजा देने का आग्रह

उसे उपचार के लिए पीजीआई में दाखिल करवाना पड़ा। जसविंद्र सिंह ने कहा कि करंट लगने के करण बेटे का दाया हाथ व बाजू झुलस गई। परिवादी का आरोप है कि इस घटना की जिम्मेदारी बिजली निगम की है। बिजली की तारें रिहायशी (अबादी देह) इलाके से गुजर रही हैं। इससे पहले भी साहब सिंह को साल 2020 में करंट लगा था उस दौरान भी निगम को शिकायत भेजी गई थी। तब पीवीसी केबल में बदलने के लिए कहा गया था व गांव के अन्य लोगों ने भी कई बार तारों को बदलने के लिए कहा लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। परिवार ने घटना के बाद भविष्य को देखते उसको उचित मुआवजा देने का आग्रह किया है।

10 हजार का इनामी वांछित गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

ऑप्रेशन ट्रैक डाउन'' के तहत पुलिस वांछित आरोपियों के खिलाफ कठोरता से कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में थाना अंबाला छावनी में दर्ज डकैती के मामले में सीआईए-2 ने मामले में संलिप्त 10 हजार के इनामी वांछित आरोपी भजन लाल उर्फ भजना को गिरफ्तार किया है। उसे चार दिन के रिमांड पर लिया गयाा है। रिमाड के दौरान आरोपी से एसी व वारदात में प्रयुक्त देसी कट्टा व जिन्दा रौंद बरामद किया गया है। आरोपी भजन लाल उर्फ भजना के खिलाफ पंजाब, हरियाणा, राजस्थान व विभिन्न राज्यों में चोरी,लूट,डकैती व स्नेचिंग के लगभग 50 मुकदमें

अंबाला। आरोपी भजना पुलिस हिरासत में।

दर्ज हैं। इस मामले में अब तक 6 आरोपियो को गिरफ्तार किया जा चुका है। अंबाला छावनी के रहने वाले राजीव ने 5 अगस्त 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी ने उसके शोरूम से 8 विंडो एसी व अन्य की दुकान से इनवर्टर, बैटरी तथा वाइडिंग कॉपर वायर हथियार दिखाकर, डरा धमकाकर चोरी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। पुलिस ने इस मामले में डकैती की धारा ईजाद करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है।

कार की टक्कर से बाइक सवार दो व्यक्ति घायल

बराड़ा। उगाला चौक की ओर जा रहे तीन युवकों की बाइक को एक तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि तीसरा युवक बाल-बाल बच गया। टक्कर मारने के बाद कार मौके से फरार हो गया। परविंदर सिंह वासी ढाणी छतरियां ने शिकायत देकर बताया कि वह अपने दोस्त अक्षय कुमार वासी धडौली, जींद व उदय राठौर नवासी दोसड़का के साथ बाईक पर सवार होकर उगाला चौक से अधोया-बराड़ा की ओर जा रहे थे। मोटरसाइकिल को अक्षय चला रहा था, बीच में उदय और पीछे परविंदर बैठा था। शाम 7.30 बजे जैसे ही वे सुभरी डेरे के पास पहुंचे तो सामने से आ रही सफेद रंग की कार ने उनकी मोटरसाइकिल को सीधी टक्कर मार दी, जिससे तीनों सड़क पर जा गिरे। हादसे के बाद कार चालक नीचे उतरा, घायलों को देखा और कार को पास के कच्चे रास्ते से डेरे की ओर भगा ले गया।

कार्यकर्ता बोले- बिहार में प्रचंड जीत से भाजपा में उत्साह का नया माहौल बना

भाजपाइयों ने ढोल-नगाड़ों की धुनों पर जमकर किया भंगड़ा

- लड्डू वितरण के साथ कार्यालय क्षेत्र जयघोषों से गूंज उठा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ऐतिहासिक और रिकॉर्ड-तोड़ जीत ने पूरे देश में उत्साह का माहौल बना दिया है। इसी श्रृंखला में अंबाला छावनी स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यालय में एक भव्य और जोशीला समारोह आयोजित किया गया। ऊर्जा मंत्री अनिल विज के निर्देश पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने शानदार उपस्थिति दर्ज कराते हुए इस विजय को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों की ताल पर भंगड़ा डालकर और पटाखे फोड़कर विजय उत्सव को

अंबाला। पार्टी की जीत का जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता।

चरम पर पहुंचा दिया। लड्डू बांटने और मिष्ठान वितरण के साथ पूरा कार्यालय क्षेत्र जयघोषों से गूंज उठा। मोदी है तो मुमकिन है" और एनडीए जिंदाबाद" के नारों से वातावरण में ऊर्जा और जोश स्पष्ट महसूस किया जा सकता था। समारोह में कार्यकर्ताओं ने बिहार की जनता के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व को देश के विकास का मार्गदर्शक बताया। सभी ने यह माना कि बिहार की जनता ने राष्ट्रहित और विकास को प्राथमिकता देते हुए एक बार फिर एनडीए के पक्ष में अपना मजबूत जनादेश दिया है। कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री मोदी की गरीब कल्याण योजनाओं, किसान हितैषी नीतियों, महिला सशक्तिकरण कार्यक्रमों तथा युवाओं के लिए चल रही पहल को इस विजय का प्रमुख आधार बताया। अनेक वक्ताओं ने कहा कि यह परिणाम जनता के भरोसे, सुशासन के प्रति बढ़ते विश्वास और मोदी सरकार के कुशल नेतृत्व की पुष्टि है। आयोजित इस भव्य उत्सव ने स्पष्ट कर दिया कि बिहार की जीत ने हरियाणा सहित पूरे देश में भाजपा कार्यकर्ताओं में नए जोश, नई ऊर्जा और आगामी चुनावों के लिए नई प्रेरणा का संचार किया है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर नगर परिषद की अध्यक्ष स्वर्ण कौर, उपाध्यक्ष ललता प्रसाद, ओम सहगल, हर्ष बिंद्रा, प्रवेश शर्मा , विकास बेहगल, विजेंदर चौहान, आशीष अग्रवाल , बीएस बिंद्रा, अजय बवेजा, महेश अग्रवाल, भारत कोछड़, शशि लौंगिया , रेनू चौहान,आरती सहगल, पुष्पा वैश, नीलम कुमारी, करन अग्रवाल, श्याम सुंदर अरोड़ा, दीपक भसीन, सुभाष शर्मा, अनिल बहल, अनुज यादव, गुरिंदर सिंह, साधना शर्मा, रेनू भामर, सुनील नदरिया, आशीष समरवाल, राजू बाली, राजकुमार राजा व अमरनाथ भी उपस्थित रहे

मुलाना । हादसे में क्षतिग्रस्त हुई कार। फोटो : हरिभूमि

खड़ी पिकअप को नशे में धुत कार चालक ने मारी टक्कर

हरिभूमि न्यूज.मुलाना

नेशनल हाइवे 344 पर अनाज मंडी के पास एक तेज रफ्तार कार चालक ने हाइवे किनारे खड़ी पिक अप को टक्कर दे मारी । टक्कर इतनी भीषण थी कि पिक अप हाईवे किनारे गड्ढों में जा गिरी । हादसे में आरोपी कार चालक को चोटें लगी है। साथ ही उसकी कार का अगला हिस्सा भी काफी क्षतिग्रस्त हो गया है। पिक-अप में सवार युवक सुरक्षित है। डायल 112 टीम ने सूचना मिलने पर मौके पर पंहुच कार्रवाई शुरू की । कार सवार मनप्रीत सिंह वासी मोहाली ने बताया कि उनकी पिकअप गाडी.नेशनल हाइवे किनारे खड़ी थी। चालक लघु शंका के लिए नीचे उतारा था कि अचानक पीछे से कार चालक ने पीछे से तेज रफ्तार में उनकी पिक-अप में अपनी कार मारी । टक्कर लगते ही पिकअप हाईवे किनारे गड्ढे में जा गिरी । मनप्रीत ने बताया कि कार चालक नशे की हालत में था । उसकी कार में भी नशे का सेवन करने संबंधित सामग्री पड़ी थी । हादसे में आरोपी कार चालक को चोट लगी। कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है । गड्ढे. में गिरी पिक-अप को निकालने के लिए भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

छह श्रेणियों में दिव्यांगजनों के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वालों को मिलेंगे स्टेट आवार्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग हरियाणा की ओर से वर्ष 2025-26 के लिए दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वालों के लिए राज्य पुरस्कार प्रदान करने के आवेदन मांगे गए है। विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार वैसे तो आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 नवंबर 2025 बताई गई है लेकिन अभी तक भी विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर इस सत्र 2025-26 में आवेदन करने के लिए कोई भी लिंक ही उपलब्ध नहीं है। इससे दिव्यांगजनों व दिव्यांग व्यक्तियों के कल्याण हेतू कार्य करने वाली संस्थाओं में भारी नाराजगी देखी जा रही है। विभाग की ओर जारी अधिसूचना के अनुसार वैसे तो 6 नवम्बर से इसके लिए आवेदन किया जा सकता था लेकिन 10 दिनों का समय बीत जाने के बाद भी विभाग द्वारा वेबसाइट पर आवेदन करने के लिए कोई भी लिंक उपलब्ध नहीं करवाया गया है, जिससे प्रदेश के विभिन्न विभागों में कार्य करने वाले दिव्यांग कर्मचारियों में सरकार के प्रति रोष है। अधिसूचना में पहली श्रेणी के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी को प्रथम स्थान पर आने पर 25 हजार और शील्ड एवं मान-पत्र दिया जाएगा तो दूसरे स्थान वाले को 15 हजार की राशि, शील्ड एवं मान-पत्र दिया जाना है। स्वयं रोजगाररत दिव्यांग व्यक्ति को 25 हजार, शील्ड एवं मान-पत्र दिया जायेगा। श्रेणी दो के लिए पुरस्कार की राशि 50 हजार , शील्ड एवं मान-पत्र रखी गई है। तीसरी श्रेणी में चयनित सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग व्यक्ति को 25 हजार की राशि, शील्ड एवं मान-पत्र तथा सर्वश्रेष्ठ संस्था तथा दिव्यांगों के बाधामुक्त तैयार करने के लिए को 50-50 हजार की राशि, शील्ड एवं मान-पत्र दिया जाएगा। अंतिम श्रेणी के सर्वश्रेष्ठ सृजनशील दिव्यांग का पुरस्कार एक महिला और एक पुरूष को दिया जायेगा जिसमें 25-25 हजार की राशि, शील्ड एवं मान-पत्र शामिल है।

छह कैटागिरी में मांगे थे आवेदन

सामाजिक न्याय तथा अधकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछडे वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय सेवा विभाग हरियाणा की ओर से जारी अधिसूचना में दिव्यांग कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों के लिए पुरस्कारों के लिए आवदेन मांगे गए थे। इसमें 6 श्रेणियां बनाई गई है। पहली श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग कर्मचारियों के लिए आदेवन मांगे गए है। जिसमें राज्य सरकार के विभागों या उपक्रमों में कार्यरत सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग कर्मचारियों को पुरस्कार दिया जाना है। इसी के तहत स्वयं रोजगारत दिव्यांग व्यक्ति को पुरस्कृत किया जाना है। दूसरी श्रेणी सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता एजेंसी, सरकारी अधिकारी/निजी क्षेत्र के अधिकारी की थी, जिसमें राज्य सरकार के विभागों या उपक्रमों में कार्यरत सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता शामिल है। तीसरी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग व्यक्तियो को रखा गया है। चौथी श्रेणी में दिव्यांग व्यक्तियों के कल्याण के लिए संस्थाओं के लिए रखी गई है। इसी प्रकार से पांचवी श्रेणी में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए बाधामुक्त वातावरण निर्मित करने हेतू उत्कृट कार्य करने वाले प्रतिष्ठानों, संस्थाओं, सरकारी विभागों के लिए है। अंतिम और 6 वीं श्रेणी सर्वश्रेष्ठ सृजनशील दिव्यांग व्यक्तियों के लिए बनाई गई है।

सीआईए रेलवे ने की कार्रवाई

15 लाख रुपये की चरस के साथ आरोपित दबोचा, पूछताछ जारी

हरिभूमि न्यूज. ▶▶| अंबाला

अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन पर रेलवे सीआईए ने भारी मात्रा में चरस बरामद की। जांच टीम को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति मनाली से नशा लेकर राजधानी की ओर जाने वाला है। इसके बाद स्टेशन पर निगरानी बढ़ाई गई। टीम ने संदिग्ध की तलाशी ली तो उसके पास से नशे की एक बड़ी खेप मिली। शुरुआती जांच में सामने आया कि यह खेप दिल्ली सप्लाई की जानी थी। आरोपी लंबे समय से इस धंधे में सक्रिय हो सकता है। फिलहाल टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है। रेलवे सीआईए के एसएचओ सत्यप्रक्ष ने बताया कि उनकी टीम ने कार्रवाई के दौरान आरोपी के बैग से 1 किलो 974 ग्राम चरस बरामद की। जिसकी कीमत बाजार में करीब 15

अंबाला। नशा तस्करी में पकड़ा का आरोपी।

लाख रुपए है। टीम पिछले कई दिनों से नशे की सप्लाई रूट पर नजर रख रही थी। इसी दौरान आरोपी के स्टेशन पर पहुंचने की सूचना मिली और उसे दबोच लिया गया। जांच में सामने आया कि तस्कर यह नशा मनाली से लेकर आया था। वह इसे दिल्ली पहुंचाकर सप्लाई नेटवर्क को सौंपने की फिराक में था। टीम अब यह पता लगा रही है कि वह किससे कनेक्टेड था और दिल्ली में खेप किसे दी जानी थी। सीआईए टीम ने आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड हासिल किया है। अधिकारियों का कहना है कि रिमांड के दौरान उससे सप्लाई चेन, कनेक्शन और स्त्रोतों को लेकर पूछताछ की जाएगी।

कार्यक्रम

हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद के निर्देश पर स्कूलों में मनाया गौरव पखवाड़ा

जनजातीय गौरव पखवाड़े के तहत विद्यार्थियों ने जल-जंगल-जमीन की अवधारणा को समझा

- महान जननायक बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को राष्ट्रव्यापी रूप से विशेष सम्मान दिया जा रहा

हरिभूमि न्यूज. अंबाला

हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद के निर्देशानुसार सभी विद्यालयों में 15 नवंबर 2025 तक जनजातीय गौरव पखवाड़ा बड़े ही उत्साह और गरिमापूर्ण ढंग से मनाया गया। इस वर्ष महान जननायक बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को राष्ट्रव्यापी रूप से विशेष सम्मान दिया जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने बताया कि वर्ष 2021 में भारत सरकार ने उनके जन्मदिवस 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया था। इसी क्रम में जिला के विद्यार्थियों को जनजातीय समुदाय की संस्कृति, परंपराओं, संघर्ष, स्वाभिमान और राष्ट्रीय स्वतंत्रता

विद्यार्थियों ने चार्ट, मॉडल, पोस्टर और प्रोजेक्ट प्रदर्शित किए

अंबाला। जनजातीय गौरव पखवाड़ा के तहत आयोजित गतिविधि में हिस्सा लेती छात्राएं।

आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान से अवगत कराने हेतु विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा प्रतिपादित जनजातीय वीरों की गौरवगाथा को प्रेरणा के रूप में सम्मिलित करते हुए सभी विद्यालयों में विशेष प्रार्थना सभा, डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शन, जनजातीय वॉल पेंटिंग, कथा-वाचन, लोकनृत्य-नाटक, विशेषज्ञ व्याख्यान, क्विज प्रतियोगिता, निबंध लेखन, वर्चुअल संग्रहालय भ्रमण, जनजातीय व्यंजन परिचय एवं संवाद आधारित गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने जल-जंगल-जमीन की अवधारणा, पर्यावरण संरक्षण, परंपरागत ज्ञान और जनजातीय अस्मिता की रक्षा हेतु दिए गए संघर्षों को समझा। इस पखवाड़े का समापन दिवस जन जातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया गया जिसमें विद्यार्थियों द्वारा पखवाड़े के दौरान सीखी बातों पर आधारित प्रेजेंटेशन एवं रिफ्लेक्शन गतिविधियां आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने चार्ट, मॉडल, पोस्टर और प्रोजेक्ट प्रदर्शित किए तथा जनजातीय नायकों विशेषकर महान जननायक बिरसा मुंडा के जीवन से मिली प्रेरणाओं को सांझा किया। श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया।

प्रेरणादायी एवं सफल आयोजन

कार्यक्रम के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने यह संदेश दिया कि भगवान बिरसा मुंडा ने उलगुलान आंदोलन के माध्यम से ब्रिटिश शासन का बहादुरी से सामना किया और जनजातीय अधिकारों व अस्मिता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। उनके अदम्य साहस, बलिदान और नेतृत्व से प्रेरणा लेकर विद्यार्थी राष्ट्र, संस्कृति एवं अपने कर्तव्यों के प्रति और अधिक जागरूक होंगे। इस गतिविधि की जिला नोडल एपीसी पूजा शर्मा ने कहा कि यह आयोजन विद्यार्थियों में भारतीय विविधता के प्रति सम्मान और एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को सुदृढ़ करने में सफल रहा है। डीपीसी प्रमोद राणा ने कहा कि समग्र रूप से, जिला में आयोजित यह जनजातीय गौरव पखवाड़ा अत्यंत प्रभावी, प्रेरणादायी एवं सफल आयोजन रहा।

गुरु तेग बहादुर की शहीदी यात्रा का होगा भव्य स्वागत

आज दोपहर 12:00 बजे अंबाला में प्रवेश करेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित यात्रा का रविवार 16 नवंबर को जिला के गांव भूरेवाला में भव्य स्वागत किया जाएगा। यात्रा के भव्य स्वागत व अन्य व्यवस्थाओं के लिए जिला प्रशासन की ओर से सभी धार्मिक व सामाजिक संगठनों के सहयोग से व्यवस्थाएं की गई हैं ताकि यात्रा सुव्यवस्थित रूप से निकाली जा सके। डीसी अजय सिंह तोमर ने बताया कि श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में पंचकूला से शुरू हुई हिंद की चादर यात्रा रायपुररानी से होते 16 नवंबर की दोपहर करीब 12:00 बजे अंबाला में प्रवेश करेगी। हिंद की चादर यात्रा भूरेवाला, लाहा, हुसैनी, नारायणगढ़, कुल्लडपुर, मियांपुर होते हुए गुरूद्वारा टोका साहिब पहुंचेगी।

यहा होगा ठहराव

यात्रा का ठहराव होगा। डीसी ने बताया कि यह यात्रा 17 नवंबर को कालाअंब, हमीदपुर, लौटों, नारायणगढ़, गुरू लादो भवन, अकबपुर, बडागढ़, धन्ना भगत (भारापुर), शहजादपुर, सौंतली, बेरपुरा, पटवी, छज्जू माजरा, हंडेसरा, तसिंबली मोड़ होते हुए पंजोखरा साहिब गुरूद्वारा में रूकेगी। प्रदेश सरकार द्वारा हिंद की चादर गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर 18 नवंबर 2025 को अंबाला छावनी के तोपखाना, जीओसी बंगला, डिफेंस कालोनी गुरूद्वारा साहिब, कलरेहडी, बोह, बब्याल-पॉवर हाउस रोड, चांदपुरा रोड, रामपुर, सरसेहडी, जगाधरी रोड, महेशनगर, एसडी कॉलेज, सुभाष पार्क, सिंह सभा गुरूद्वारा साहिब (हरगोलाल रोड), चौडा बाजार, बजाजा बाजार, कसेरा बाजार, गुरू नानक रोड, कबाड़ी बाजार, पंजाबी गुरूद्वारा, विजय रतन चौक, राय मार्केट, गोल चक्कर, डाकखाना जीपीओ, एसडीएम कार्यालय, रेलवे स्टेशन अंबाला छावनी तथा जीटी रोड से होते हुए गुरूद्वारा श्री पंजोखरा साहिब आकर संपन्न होगी। 19 नवंबर को जनेतपुर, गरनाला, बरनाला, मंडौर, बलदेवनगर, जग्गी सिटी सेंटर, जंडली फ्लाईओवर, मॉडल टाउन, प्रेमनगर, ग्लेक्सी चौक, सिविल अस्पताल चौक, अग्रसेन चौक, अनाज मंडी चौक, सेक्टर 8, सेक्टर 9, सेक्टर 10, सेक्टर 10 गुरूद्वारा साहिब, मानव चौक होते हुए बादशाही बाग गुरूद्वारा साहिब आकर रूकेगी।

दुकान में चोरी, 12 किलो चांदी और 14 लाख रुपये की नकदी चुराई

बराड़ा। देर रात एक बंद्री चोरी की वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने राजौली रोड स्थित गुरु नानक ज्वेलर्स की दुकान को निशाना बनाते भारी मात्रा में सोना-चांदी और नगदी पर हाथ साफ कर दिया। दुकान मालिक सरबजीत सिंह वासी विकास विहार कॉलोनी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह बीती 13 नवंबर की रात 8 बजे दुकान बंद कर घर लौटे थे। सुबह जब वे करीब साढ़े सात बजे दुकान पर पहुंचे और दुकान का शटर व कैंची गेट खोला तो वह अंदर का नजारा देखकर दंग रह गए। पूरी दुकान में सामान यहां-वहां बिखरा पड़ा था। जांच करने पर पता चला चोरों ने दुकान के पीछे लगी सीढ़ियों के पास की दीवार तोड़कर छत में बनी सीलिंग खोल दी। अंदर घुसकर चोरी को अंजाम दिया। दुकानदार की शिकायत के अनुसार दुकान से करीब 500 ग्राम सोने के जेवर, करीब 12 किलो चांदी, लगभग 14 लाख की नकदी चोरी हुई है। सूचना पाकर पुलिस और फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट टीम मौके पर पहुंची जिसने घटनास्थल से संदिग्ध फिंगर प्रिंट जुटाए।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 16 नवंबर 2025

विशेषः अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस 19 नवंबर

पुरुषों को परिवार का पालक, कमाने वाला और हर दबाव सहन कर लेने वाला लौह मनुष्य समझा जाता है। सदियों से चली आ रही यह मान्यता आज भी बरकरार है। इस वजह से वे अनेक तरह की शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक समस्याओं का सामना करने को विवश हैं। ऐसे में जरूरत है कि न केवल समाज बल्कि स्वयं पुरुष भी इन दबावों से मुक्त होने का प्रयास करें।

दबावों-अपेक्षाओं-चुनौतियों से
विवश दुनिया भर के पुरुष

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

अनुमान के मुताबिक दुनिया में लगभग 4.14 अरब पुरुषों की आबादी है, जो विश्व आबादी की लगभग 50.27 फीसदी है। दुनिया के हर समाज में चाहे वो अफ्रीकन कबीलाई समाज हो, चाहे यूरोप का आधुनिक समाज हो, चाहे भारत और चीन जैसे पारंपरिक सभ्यताओं वाला समाज हो या अमेरिका का अत्याधुनिक बाजारू वर्चस्व वाला समाज हो। सभी समाजों में पुरुषों की मजबूती का मिथ सदियों से व्याप्त है। इस कारण आज के इस डिजिटल और एआई के युग में भी पुरुष वर्ग अनेक मानसिक, शारीरिक और आर्थिक परेशानियों के दुष्चक्र में फंसा हुआ है। दरअसल, दुनिया के हर समाज में चाहे पूरब हो या पश्चिम, पुरुषों को लेकर यह मिथ बहुत गहरे तक मौजूद है कि वे मजबूती, भावनात्मक निरपेक्षता के धनी होते हैं यानी पुरुष होने का मतलब हमेशा कठिन परिस्थितियों में भी भावनाओं पर पूरा नियंत्रण रखने वाला होता है। सच्चाई यह है कि इस मान्यता की वजह से पुरुष अनेक दबावों और परेशानियों के साथ जीने के लिए मजबूर होते जा रहे हैं।

बढ़ रही स्वास्थ्य समस्याएं

पुरुष हर हाल में मजबूत बने रहते हैं, कभी भावनाओं में नहीं बहते। इस मिथ पर खरे उतरने के लिए दुनिया के 70 फीसदी से ज्यादा पुरुष अपनी समस्याएं, खासकर शारीरिक समस्याएं किसी और को बताते ही नहीं हैं। इस वजह से उनमें शारीरिक समस्याएं बढ़ती हैं। दुनिया भर के स्वास्थ्य आंकड़े बताते हैं कि अपने स्वास्थ्य के चेकअप को लेकर पुरुष बेहद लापरवाह होते हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा हार्ट अटैक पुरुषों को होता है और माना जाता है कि करीब 50 फीसदी पुरुषों को पहले से पता होता है कि वो इसकी चपेट में हैं, लेकिन इसका जिक्र कभी नहीं करते। वास्तव में इन मिथों ने पुरुषों की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को आज तक के इतिहास में सबसे खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। आज भी ज्यादातर पुरुष स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण चेकअप कराने से कन्नी काट जाते हैं। यही कारण है कि पुरुषों की ज्यादातर गंभीर बीमारियां समय रहते पकड़ में नहीं आतीं और यह आंकड़ा तो दुनिया में हर कोई जानता है कि हर देश में पुरुष महिलाओं के मुकाबले कम से कम 7-8 साल कम जीते हैं।

नहीं करते भावनाएं अभिव्यक्त

हैरानी की बात यह है कि इस डिजिटल और एआई के युग में भी पुरुषों से वैसी ही भावनात्मक उम्मीदें की जाती हैं, जैसे मध्ययुग में की जाती थीं कि वे अपनी परेशानियों का रोना नहीं रोएंगे। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि दुनिया के करीब 60 फीसदी से ज्यादा पुरुष प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध विच्छेद का दंश झेलते हैं। क्योंकि वे अपनी भावनाओं और निर्भरताओं का सामाजिक रूप से प्रदर्शन नहीं कर पाते। इसलिए ऐसी परिस्थितियों में फंस जाने के बाद न केवल वे अपने दोस्त खो देते हैं बल्कि पारिवारिक अलगाव की सजा भी पुरुषों को ही मिलती है।

नहीं दिखना चाहते इमोशनली वीक

आज जब एआई, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म की भरमार है, तब भी यह देखना चिंताजनक है कि ज्यादातर पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे अकसर छिपे रहते हैं। उदाहरण के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया के अधिकांश देशों में पुरुषों द्वारा किए गए आत्महत्या के प्रयास, महिलाओं की तुलना में बहुत ज्यादा होते हैं। मगर हैरानी की बात यह है कि करीब 40 फीसदी आत्महत्या करने वाले या आत्महत्या की कोशिश करने वाले पुरुष इस बात का बिना खुलासा किए यह कदम उठा लेते हैं कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? दरअसल, पुरुषों की यह समस्या है कि वे अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं कर पाते, प्राचीन काल से आज तक यह स्थिति जैसे की तैसे ही बनी हुई हैं। आज भी पुरुषों को उसी नजरिए से देखा जाता है, उनसे वही अपेक्षा की जाती है। विडंबना यह है कि हर पुरुष खुद को भी उसी मिथक की नजर से देखता है। इसीलिए दुनिया का हर पुरुष भावनात्मक रूप से कमजोर होने के बाद भी इस बात से डरता है कि उसे दूसरा कोई कमजोर न समझे।

कम नहीं वर्क-इकोनॉमिकल प्रेशर

इस डिजिटल युग में समस्या सिर्फ भावनात्मक नहीं है। इस दौर की एक बड़ी समस्या यह भी है कि काम-काज की डिजिटल संस्कृति ने पुरुषों का लाइफ बैलेंस बिल्कुल बिगाड़कर रख दिया है। पिछली एक सदी से बराबरी के नारों के बीच भी दुनिया के हर समाज में आज भी पुरुषों से उम्मीद यही की जाती है कि घर में कमाने की जिम्मेदारी उन्हीं की है। सोशल मीडिया द्वारा भले पुरुषों की अनेक काल्पनिक छवियां प्रस्तुत की जाती हों, लेकिन विश्व के श्रम पर नजर रखने वाले संगठन बताते हैं कि अभी भी जीडीपी ओ रि एं टे ड तकरीबन 70 फीसदी काम दुनिया के पुरुष ही करते हैं और आज जबकि ज्यादातर मामलों में मशीन पुरुषों से बेहतर है, अब भी पुरुष इस दबाव में जीते हैं कि मैं अच्छा काम कर रहा हूं या नहीं। कहीं मैं दूसरे से पीछे तो नहीं रह जाऊंगा। इस वजह से वे ओवर वर्कप्रेशर में रहते हैं।

समाज-स्वयं पुरुष बदलें नजरिया

विश्व पुरुष दिवस के अवसर पर जरूरत है कि पुरुषों की स्वास्थ्य जागरूकता और विशेषकर उनके मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति पर खुलकर बोलने और स्वीकार करने का माहौल बने। पुरुषों को बदलती तकनीकी और सामाजिक जीवन में नई वास्तविकताओं को स्वीकार करना चाहिए। इस बात की भी जरूरत है कि पुरुषों को ज्यादा से ज्यादा संवाद मंच और मानसिक स्वास्थ्य चेकअप प्लेटफॉर्म पर लाया जाए। उन्हें परिवार का साथ और संबल मिले। पुरुष स्वयं को आयरन मैन न समझें। अपने शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखें। तभी वे स्वस्थ-खुशहाल जीवन जी पाएंगे। *

भारतीय पुरुषों की चुनौतियां

इस एआई और ग्लोबलाइजेशन के दौर में भारत में पुरुषों की औसत जीवन प्रत्याशा महिलाओं के मुकाबले करीब 08 साल कम है। सिर्फ उम्र के मामले में ही नहीं, पैदा होने के बाद सर्वाइव करने के मामले में भी पुरुष महिलाओं से पीछे हैं तथा हर साल बीमारियों से मरने वाले में पुरुषों और महिलाओं में 12 से 14 फीसदी का फर्क है। 2021 के रिपोर्ट में दर्ज नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो ऑफ इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक देश में 72.5 फीसदी आत्महत्याएं पुरुषों द्वारा की जाती हैं। 40 फीसदी पुरुष इस दौर में भी अपनी मानसिक स्वास्थ्य की समस्या को परिवार से छिपाते हैं और 2017 के एक आंकड़े के मुताबिक अलग-अलग रैंडम स्वास्थ्य पड़ताल में पाया गया था कि करीब 1.97 करोड़ पुरुष किसी न किसी तरह की मानसिक समस्या से ग्रस्त थे।

सवाल है आखिर इस खुलेपन के दौर में भी पुरुष खुद को लेकर इस तरह के बंद के शिकार क्यों हैं? तो विशेषज्ञों के मुताबिक भारत में पुरुषों पर आज भी वो पारंपरिक अपेक्षाएं बनी हुई हैं जो कृषि युग से उन पर रही हैं। मसलन आज भी पुरुष को परिवार का पालक, कमाने वाला और दबाव सहन कर लेने वाला लौह पुरुष समझा जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस डिजिटल मीडिया और प्रतिस्पर्धा के युग में पुरुष उपेक्षा का शिकार हो गए हैं और इस दौर में उनकी मानसिक असुरक्षा का सबसे बड़ा कारण रोजगार पर लटकती एआई की तलवार है।

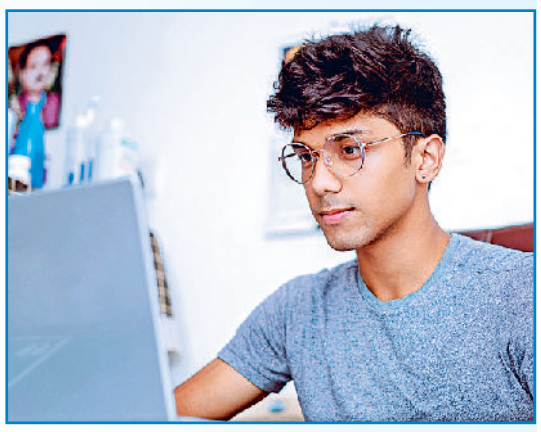

नई सदी के पहले दशक यानी 2010 के बाद जन्मी पीढ़ी (जनरेशन अल्फा), बेशुमार तकनीकी सुविधाओं, कई चुनौतियों और अनेक दुविधाओं के साथ बड़ी हो रही है। ऐसे में उनका सहज, सही दिशा में विकास हो इसके लिए उन्हें थामने, संभालने और संबल देने की भी जरूरत है।

जनरेशन अल्फा मन-जीवन को थामने-संबल देने की दरकार

लाइफस्टाइल
डॉ. मोनिका शर्मा

समय बदलने के साथ पीढ़ियां बदलती हैं और पीढ़ियों के साथ जमाने के रंग भी बदल जाते हैं। हर नई जनरेशन, पुरानी जनरेशन की तुलना में नए रंग-ढंग को जीती ही है। समय के साथ बच्चों की जीवनशैली से जुड़ा हर बदलाव सहज स्वीकार्य नहीं होता। इसे समझना और एक संतुलन साधना जरूरी है। हाल के वर्षों में अल्फा जनरेशन की जीवनशैली से जुड़े बदलाव बेहद विचारणीय हो चले हैं। तकनीक की दस्तक ने परिवर्तन की गति ना सिर्फ कई गुना बढ़ा दी है बल्कि बहुत से नए पहलू भी जोड़ दिए है। ऐसे में जनरेशन अल्फा को संभालने के लिए पैरेंट्स को सजग रहने की जरूरत है।

क्या है जनरेशन अल्फा: वर्ष 2010 से 2024 के बीच जन्मी पीढ़ी को जनरेशन अल्फा कहा जाता है। डिजिटल संसार में आंखें खोलने वाली यह पीढ़ी जनरेशन जेड की अगली पीढ़ी है। गौरतलब है कि 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोगों को जनरेशन जेड कहा जाता है। अल्फा पीढ़ी, ग्लोबल माइंडेड और आजाद खयाल है। साथ ही जेन अल्फा की सीखने-समझने की क्षमता और अंदाज दोनों ही अलग हैं। इस पीढ़ी को जन्म के समय से ही तकनीक ने घेरा हुआ है। डिजिटल दुनिया में कुशल नेविगेटर कही जाने वाली यह पीढ़ी, जागरूक और इनोवेटिव विचारों की धनी भी है। अपने अधिकारों को लेकर सजग है। अच्छी एडॉप्टिबिलिटी रखती है।

तकनीक का सही इस्तेमाल जरूरी: जनरेशन अल्फा को एक डिजिटल नेटिव माना जाता है। जन्म से ही कंप्यूटर, लैपटॉप, स्मार्टफोन, टैबलेट, इंटरनेट और दूसरे डिजिटल डिवाइसेस इनके जीवन का हिस्सा रहे हैं। स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में बड़ी हो रही अल्फा जनरेशन के मन और जीवन को थामने के लिए टेक्निकल गैजेट्स के सीधे इस्तेमाल की सीख देना आवश्यक है। लंबा समय स्क्रीन के सामने बिता रही अल्फा जनरेशन को डील करने के लिए पैरेंट्स इन्हें सामाजिक जीवन से जोड़ें। डिजिटल दुनिया में रील्स, पोस्ट्स, मीम्स देखते रहने वाली अल्फा पीढ़ी को अपने असली रिश्तों-नातों से मिलवाएं। पर्व-त्योहारों पर परंपरागत जीवन का पाठ पढ़ाएं। तकनीक को सहूलियत के बजाय लत न बनने दें। क्लिक भर में हर काम हो जाने के आदी न होने दें। खुद अपने काम करने दें। चिंतनीय है कि तकनीकी जाल में उलझे ये बच्चे, कई मोर्चों पर दिशाहीनता का शिकार भी हो जाते हैं। यही वजह है कि इस हाइटेक पीढ़ी को डील करने के लिए कुछ मामलों में असीम धैर्य की भी दरकार है, तो कई बातों को लेकर स्पष्ट गाइडलाइंस बनाना भी जरूरी हैं। बड़ों का साथ और स्नेह, जेन अल्फा को भी सहज जीवन से जोड़े रखेगा।

नियमित संवाद जरूरी: चैट-जीपीटी से सलाह लेने वाली इस जनरेशन से हर समस्या को लेकर नियमित संवाद किया जाना चाहिए। साथ ही इन बच्चों को सेल्फ कंट्रोल सिखाना भी बहुत जरूरी है। अनुशासित जीवनशैली न केवल स्मार्ट स्क्रीन से दूर रखेगी बल्कि जीवन को वास्तविक धरातल पर जीना भी सिखाएगी। इन बच्चों को स्मार्ट गैजेट्स के इस्तेमाल से पूरी तरह दूर नहीं रखा जा सकता। मानसिक रूप से मजबूत और सजग पीढ़ी पर किसी भी तरह का दबाव डालने के बजाय हर मामले में कोई बेहतर ऑप्शन सुझाएं। रचनात्मक सोच को बढ़ावा दें। इंडोर गेम्स हों या दूसरी फिजिकल एक्टिविटीज, पैरेंट्स इस टेक सेवी पीढ़ी को सार्थक व्यस्तता का माहौल दें।

भावनात्मक मोर्चे पर डटें: बात चाहे असल और आभासी व्यक्तित्व का फर्क समझाने की हो या सामाजिक-पारिवारिक जीवन से जोड़ने की, पैरेंट्स अल्फा पीढ़ी को इमोशनल फ्रंट पर अवश्य थामें। एडिटेड फोटोज, फॉलोअर्स और वर्चुअल स्टारडम की आभासी दुनिया में खोए बच्चों का मन समझने का प्रयास करना जरूरी है। सोशल लाइफ से लगभग दूर हो चुकी अल्फा पीढ़ी मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक मेल-जोल के मामले में कई चुनौतियों से जूझ रही है। गुस्सा, चिड़चिड़ापन और याददाश्त कम होने जैसी समस्याएं भी सामने आ रही हैं। ऐसे में इन बच्चों को स्क्रीन स्क्रॉलिंग के बजाय साथ बैठकर बात करने का महत्व समझाएं। वर्चुअल संसार में गुम होकर अकेलेपन और अवसाद के घेरे में आने से बचाने के लिए सॉफ्ट स्किल्स सिखाने पर फोकस करें। व्यावहारिक मोर्चे पर स्क्रीन स्क्रॉलिंग ने इन्हें जरूरत और इच्छा का अंतर समझने का माहौल ही नहीं दिया। अभिभावक इनकी मनचाही चीजें उपलब्ध करवाने और हर मांग पूरी करने से भी बचें। इस पीढ़ी के बच्चों के पास हर तरह की सूचनाएं और जानकारियां भी पहुंच रही हैं। ऐसे में अभिभावक उनके सवालों पर ध्यान दें। डांटने-डपटने और चुप रहने की हिदायत देने के बजाय मन से बच्चों के विचार सुनकर ही उनको सपोर्ट किया जा सकता है। पैरेंट्स तकनीक से भरपूर वातावरण में परवरिश पाती अल्फा जनरेशन में, सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जुड़ाव का भाव जगाएं। मशीनों के बीच पलती इस पीढ़ी के मन की संवेदनाओं को बचाना, आज पैरेंट्स की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। *

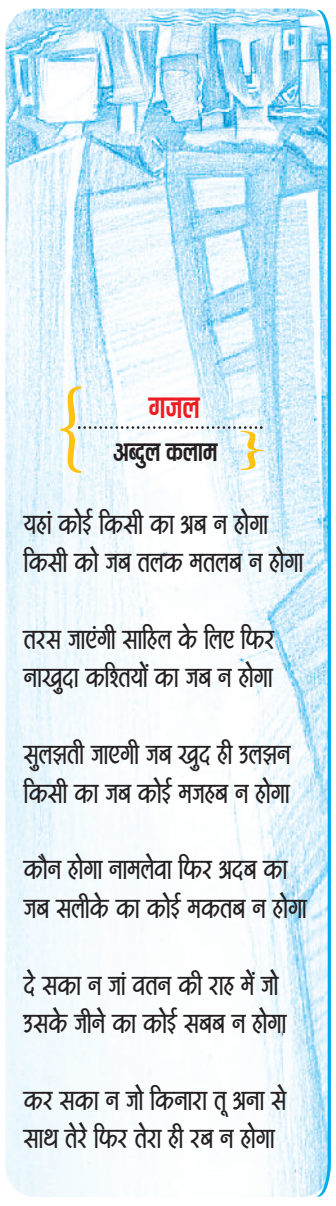

व्यंग्य
डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

रौब जमाती मूंछें!

अभी एक रोज सुबह-सुबह पार्क में टहलते समय मित्रों के संग मूंछों पर बहस चली तो हर कोई अपनी मूंछों पर हाथ फेरते हुए मूंछों के पुराण पर चर्चा करने लगा। वकील साहब मथुरा जी अपनी सीनियर सिटीजन वाली करीने से कटी सफेद मूंछों पर हाथ फेरते हुए बोले, 'मैंने जब से मूंछों को बढ़ाया फिर रख-रखाव बेहतर तरीके से करने लगा, तो हर कोई मेरी मूंछों को देखकर मूंछों के बारे में चर्चा करने लगा। हर कोई कहने लगा है कि अब हमें मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी की जगह मूंछें हों तो मथुरा लाल वकील साहब जैसी कहना पड़ेगा। इस पर मैं फूला नहीं समाता और मूंछों पर हाथ फेरते हुए मूंछों को और सम्मान देने लगा हूं।' कुछ पल गर्वीली मुस्कान बिखेरने के बाद वह पुनः बोले, 'जब से मैंने मूंछें बढ़ाईं, उनको सहेजा तो बहस के मुद्दों के दौरान उस पर हाथ फेरते रहने से कई क्लाइंट के मुकदमे जीत लिए। कोर्ट में हर कोई मुझको देखने के पहले मेरी मूंछें देखता। जब-जब नए क्लाइंट आते तो कहते मेरे वकील साहब तो मूंछों वाले हैं! जिनको देखकर ही सामने वालों के मुकदमे की मूंछें नीची हो जाती हैं।'

इस पर सुनील भैया बोले, 'हमारे गांव में भी जब भी मान-सम्मान की बात होती है, लोग कहते हैं मूंछ का सवाल है। फिल्म में तो मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी बात प्रचलन में आई। लेकिन हर गांव में मूंछों पर ताव देने वाले मिलते हैं। गांव के एक बुजुर्ग तो मूंछों पर ताव देने के कारण ताऊजी कहलाने लगे हैं।'

इस पर बात-बात में मूंछों पर ताव देने वाले रमन सिंह बोले, 'अरे मूंछें आन-बान और शान होती हैं। मूंछें कोई भी रख ले, लेकिन उन्हें मेंटेन करना आसान नहीं होता है। मूंछें भी फर्क और फख्र वाली होती हैं। अमीर सरमाएदार की मूंछें मर्दानगी, स्वाभिमान, वीरता, प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और अधिकार को प्रकट करने वाली मानी जाती हैं। इसीलिए छोटे, गरीब आदमी पहले तो मूंछें रख ही नहीं सकता और यदि कोई रखता भी है तो इसलिए कि वक्त जरूरत पड़ने पर मूंछें नीचे करके जान की अमान पा जाए।'

इस पर रामनिवास जी बोले, 'आपको पता नहीं जब कोई अपना रौब अपनी वाणी, कार्यशाली से नहीं जमा पाता है तो उसकी मूंछें रौब जमा देती हैं। अरे, अच्छे से अच्छा पहलवान क्यों ना हो, अखाड़े में उतरने से पहले मूंछ पर ताव जरूर देता है, फिर दांव खेलता है। मूंछें व्यक्ति की बॉडी लैंग्वेज भी होती हैं। ताव देने वाली मूंछें, डाई के जरिए सफेद से काली की गई मूंछें, खड़ी-आड़ी मूंछें, लंबी मूंछें, लकीरों वाली मूंछें, होंठों के ऊपर जेलर टाइप आदि-आदि तरह की मूंछों से व्यक्ति की पर्सनालिटी का पता चलता है।' इस पर ज्ञान बघारने कमल जी बोले, 'मूंछों को सहलाने से, हाथ फेरने से दिमाग में तरह-तरह की नई सोच और आइडिया आते हैं। मूंछें समस्या को हल भी करती हैं तो कई स्थान पर प्रॉब्लम भी क्रिएट करती हैं। मूंछें व्यक्ति की पहचान होती हैं। मूंछों की प्रकृति आकार के आधार पर लोगों को जाना जाता है। कुछ मूंछमुंडे भी होते हैं, जिन्हें अपनी पहचान किसी अन्य तरीके से बनानी पड़ती है और इसके लिए काफी जतन करने पड़ते हैं।' जब मूंछों पर इतनी बहस चल रही थी तो प्रोफेसर साहब बोले, 'मूंछों का आकार गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाता है तो कई बार मूंछों पर ताव देना भारी भी पड़ जाता है और मूंछों पर ताव देने वाले का दांव खाली चला जाता है। मूंछ कटे को नाक कटा भी लोग मानते हैं, लेकिन हकीकत में मूंछें मर्दों का श्रृंगार होती हैं, रौबदार, पानीदार, बट और बल वाली मूंछों से लोग प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाते हैं।' मूंछों पर चली बहस से ही मॉर्निंग वॉक का जब समय खत्म होने वाला था, तब रामनिवास जी बोले, 'मूंछों के भी भाव होते हैं, मूंछ और ताव का गठजोड़ होता है। बगैर मूंछों के ताव के मुकाबले कोई ताव, ताव नहीं होता है, लेकिन जब अपमान का घूंट पीना पड़ता है तो मूंछें नीचे हुई मानी जाती हैं। जब खाने-पीने की चीजों में मूंछें डूबने लगती हैं तो उसे आलसी और अजीबो-गरीब माना जाता है। ऐंठने वाली मूंछें जब तनी हुई रहती हैं तब पूरा फेस हर मोर्चे को फेस करने के लिए तैयार रहता है।' वे आगे बोले, 'कटी मूंछें, तनी मूंछे, राजसी मूंछ, फनी मूंछ, झुकी मूंछ, फुकी मूंछ, फेक मूंछ भांति-भांति के मूंछों पर किसी शायर ने कहा है, हमारी मूंछ का आलम यह है कि ताव हम देते हैं, घाव दुनिया पर पड़ता है। इसलिए मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी वरना न हों।' *

गजल
अब्दुल कलाम

यहां कोई किसी का अब न होगा
किसी को जब तलक मतलब न होगा

तरस जाएंगी साहिल के लिए फिर
नाखुदा कश्तियों का जब न होगा

सुलझती जाएगी जब खुद ही उलझन
किसी का जब कोई मजहब न होगा

कौन होगा नामलेवा फिर अदब का
जब सलीके का कोई मकतब न होगा

दे सका न जां वतन की राह में जो
उसके जीने का कोई सबब न होगा

कर सका न जो किनारा तू अना से
साथ तेरे फिर तेरा ही रब न होगा

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

भाई से बड़ा

आज गोपाल की आंखें नम थीं। उसके साथ जो हुआ, कभी वह सोच भी नहीं सकता था। छोटे भाई साजन को अपनी ससुराल जाना था। वहां कोई धार्मिक अनुष्ठान था। निमंत्रण पत्र गोपाल के पास भी आया था। साजन के पास बड़ी गाड़ी थी। गोपाल ने उससे पूछा, 'साजन तुझे ससुराल जाना है न शाम को?'

'हां भैया, जाना है।' साजन ने जवाब दिया। गोपाल ने कहा, 'साजन मैं भी तुम्हारे साथ चलूंगा।' 'यह तो बहुत अच्छी बात है। आपको जरूर ले चलूंगा।' साजन ने भरोसा दिया।

गोपाल ने जाने की पूरी तैयारी कर ली। बस इंतजार था साजन के बुलाने का। गोपाल ने अपने बड़े बेटे से कहा, 'अरे बेटा, देखकर तो आ, तेरा चाचा मुझे लेने क्यों नहीं आया? समय तो हो चुका है।'

'जी पिताजी।' कहकर बेटा चाचा के घर चला गया। वहां से लौटकर बताया, 'पिताजी, चाचा जी तो निकल गए, घर पर ताला लगा हुआ है और गाड़ी भी नहीं है वहां।' गोपाल का मन भारी हो गया। उसने तुरंत फोन किया, 'साजन कहां है तू?'

'भैया मैं तो निकल गया ससुराल के लिए।' साजन ने जवाब दिया। 'मुझे तो तेरे साथ चलना था और तूने हामी भी भरी थी।' गोपाल बोला। 'हां भैया...पर बात ऐसी थी कि...।' वह बोलता-बोलता रुक गया। 'कैसी बात थी भाई?' गोपाल ने पूछा। 'गाड़ी में एक सीट आगे की खाली थी, लेकिन मुझे ओरियो को ले जाना पड़ा।' साजन हकलाते हुए बोला। 'ओरियो...ये ओरियो कौन है?' गोपाल ने आश्चर्य से पूछा। 'भैया, ओरियो मेरे डॉगी का नाम है।' साजन ने बताया।

'क्या डॉगी को बैठाने के लिए तूने बड़े भाई को छोड़ दिया... भाई से बड़ा तेरा डॉगी हो गया।' कहकर गोपाल ने तुरंत फोन काट दिया। *

पुस्तक: शोर एवं अन्य कविताएं (कविता संग्रह) रचनाकार: मनोज मोहन, मूल्य:200 रु, प्रकाशक: संतु प्रकाशन, नोएडा

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

चुप्पियों का शोर

कई वर्षों से साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में सक्रिय मनोज मोहन का पहला कविता संग्रह 'शोर एवं अन्य कविताएं' हाल में ही छपकर आया है। मनोज अपनी कविताओं में कम शब्द खर्च करके बड़ी और गहरी बात कहने में यकीन करते हैं। यही वजह है कि संग्रह की अधिकांश कविताएं छोटी हैं लेकिन उनमें हमारे समय, समाज के विद्रूप और मनुष्यता के समक्ष उपस्थित संकटों को साफ तौर पर लक्षित किया जा सकता है। *'मैं चाहता हूं होना/सामान्य व्यक्ति/जिसे सहज जीवन मिले।'* (सामान्य व्यक्ति) और *'चलो हम एक किताब बनाएं/जहां तुम दिखो खुश-खुश/मैं रहूं उदास-उदास।'* (चलो हम एक किताब बनाएं) जैसी पंक्तियां अपनी साधारणता में भी असाधारण भावार्थ प्रकट करती हैं। ये कविताएं हमें वैचारिकता का एक नया प्रस्थान बिंदु प्रदान करती हैं। कुछ कविताओं को घर, तुम और महामारी खंडों में भी संकलित किया गया है। *

गोवा को आमतौर पर शानदार सी बीचेज वाले स्थल, हनीमून और मस्ती भरे टूरिस्ट डेस्टिनेशन के तौर पर जाना जाता है। लेकिन गोवा में ऐसे कई लोकेशंस भी हैं, जो हमें इतिहास और संस्कृति से रूबरू कराते हैं। जानिए, गोवा में स्थित कुछ ऐसे ही ऑफबीट टूरिस्ट प्लेसेस के बारे में।

टूरिस्ट स्पॉट
बुशरा फातमा

इतिहास-संस्कृति से रूबरू कराते गोवा के ये अनोखे पर्यटन स्थल

कुर्डी गांव

रिवोना केव

हालांकि भारत के लगभग हर राज्य में ऐसे स्थल मौजूद हैं, ऐसी ढेरों कहानियां और किस्से सुनने-पढ़ने को मिल जाएंगे, जिसमें उस स्थान और अपने देश से जुड़े गौरवशाली इतिहास का ब्यौरा मिलता है। गोवा में भी ऐसे कई कम चर्चित स्थल मौजूद हैं। खूबसूरत सी बीचेज के लिए दुनिया भर में फेमस गोवा में स्थित कुछ ऐसे ही लोकेशंस के बारे में आपको बता रहे हैं, जहां इतिहास और संस्कृति का मिला-जुला संगम देखने को मिलता है।

बुड़बुड़ ताली

साउथ गोवा के नेत्रवाली में एक अनोखा तालाब मौजूद है, जिसे बुड़बुड़ ताली या बबल लेक के नाम से जाना जाता है। करीब 400 साल पुराना यह तालाब गोपीनाथ मंदिर के प्रांगण में मौजूद है, जहां सिर्फ ताली बजाने या किसी तेज आवाज से ही तालाब के नीचे से पानी के ऊपर की तरफ बुलबुले बनने लगते हैं। यहां के स्थानीय लोगों में इस तालाब को लेकर बहुत श्रद्धा है। हालांकि साइंटिस्ट्स इस प्रभाव के लिए किसी रासायनिक क्रिया और गैस को जिम्मेदार मानते हैं। कुदरत के करिश्मे वाले इस अनोखे तालाब को देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं।

उसगलीमल शिलालेख

साउथ गोवा के उसगलीमल गांव में मौजूद यह शिलालेख, करीबन 4 हजार से 6 हजार साल पुराना है। सालों तक इस गांव से बहती कुशावती नदी की गोद में छुपे ये शिलालेख लोगों की नजरों से दूर थे। 1993 में जब गांव वालों की नजर नदी के किनारे पत्थरों पर अलग-अलग आकृतियों पर पड़ी तो उन्होंने पुरातत्व विभाग को खबर दी। पता चला ये हजारों साल पहले, शायद मध्य पाषाण युग का समय था, जब इंसान अपने आस-पास की चीजों को देखकर उसकी आकृति पत्थरों पर उकेरा करता था। इन आकृतियों में जानवर, तरह-तरह के रास्ते और पैरों के निशान देखने को मिलते हैं। अगर आप इतिहास और पुरातात्विक अवशेषों में रुचि रखते हैं, तो गोवा के इस जगह पर आपको जरूर जाना चाहिए। घने जंगल और कुशावती नदी का यह हिस्सा आपका मन मोह लेगा।

कुर्डी गांव

सन 1960 तक सांगेम तालुका नामक स्थान पर मौजूद कुर्डी गांव एक अच्छा-खासा बसा-बसाया गांव हुआ करता था। हिंदू, मुस्लिम और कैथलिक समुदाय की समृद्ध आबादी यहां निवास करती थी। सन 1960 में जब साउथ गोवा को ज्यादा मात्रा में पानी मुहैया करवाने के लिए सलौलिम डैम बनाने का प्रस्ताव आया तो सबसे पहले कुर्डी गांव को खाली करवाया गया। ये पूरा गांव पानी के अंदर समा गया ताकि डैम का पानी सुचारू रूप से बह सके। मई महीने में जब पानी का स्तर कम होता है तब गांव का कुछ हिस्सा पानी के बाहर दिखाई देता है। वे लोग, जो अपना घर बार छोड़कर दूसरी जगह बस गए वो मई महीने में यहां आकर अपनी पुरानी यादों को ताजा करते हैं। हर साल तीनों समुदाय के लोग यहां आकर अपने-अपने धार्मिक जगहों की स्मृति में उत्सव मानते हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में पर्यटक भी यहां जुटते हैं।

रिवोना केव

साउथ गोवा में स्थित रिवोना केव यानी रिवोना गुफाओं को उस दौर का ऐतिहासिक स्थल माना जाता है, जब गोवा में मानव समुदाय की बस्ती बसनी शुरू ही हुई थी। माना जाता है कि इस जगह पर उस समय के बुद्धिमान लोग ही आकर बसते थे। मान्यता है कि यहां बौद्ध धर्म के अनुयायी भी रहा करते थे। 7वीं शताब्दी की इन गुफाओं को देखने के लिए यहां देश-विदेश से काफी पर्यटक आते हैं। *

इंसान ही नहीं पशु-पक्षी भी करते हैं बदलते मौसम की तैयारी

हम इंसान तो तकनीकों के जरिए मौसम में आने वाले बदलावों का पता लगाकर उसके हिसाब से अपनी तैयारी करते हैं। लेकिन प्रकृति ने कई पशु-पक्षियों को ऐसी क्षमता नैसर्गिक रूप से प्रदान की है। ऐसे ही कुछ जंतुओं के बारे में जानिए।

रोचक / अपराजिता

पशु-पक्षी भले इंसानों की तरह तेज दिमाग के न होते हों, लेकिन इंसानों की ही तरह आने वाले मौसम की दुश्वारियों से बचने के लिए अपने स्तर पर वे भी बाकायदा योजनाबद्ध ढंग से तैयारी करते हैं। जिस तरह मौसम बदलने से पहले इंसान गर्म कपड़ों, छत की मरम्मत या पंखे, कूलर आदि को दुरुस्त कर लेते हैं, उसी तरह धरती के दूसरे पशु-पक्षी भी आने वाले मौसम की चुनौतियों के लिए अपनी ही सूझबूझ और योजनाबद्धता से तैयारी करते हैं। फर्क सिर्फ इतना होता है कि इंसानों के विपरीत ये पशु-पक्षी ऐसी तैयारियां बिना किताबें पढ़े, बिना मौसम विभाग की चेतावनी सुने ही करते हैं। क्योंकि इनके पास न रेडियो होता है, न प्रकृति की गतिविधियों की सूचना देने वाला इनके लिए कोई जरिया होता है। दरअसल, खुद कुदरत ने ही इन्हें अनुमान लगाने की अद्भुत क्षमता दी है, ये उसी के आधार पर अपने सहज ज्ञान और जैविक अनुभव प्रवृत्तियों के जरिए मौसम की बदलती करवटों के लिए महीनों पहले से ही तैयारी में जुट जाते हैं।

कोयल की कूक का संकेतः भारत के ग्रामीण परिवेश में बहुत सारी जानकारियों को अखबारों, रेडियो या किताबों से नहीं, पशु-पक्षी की गतिविधियां देखकर जानी, समझी जाती हैं। मसलन, अगर कोयल के स्वर में मधुर स्वर आ गया है, तो इसका मतलब यह है कि वह बदलते तापमान के प्रभाव में अपने प्रजनन चक्र को समायोजित करने की कोशिश में है। मसलन, अगर कोयल के स्वर में मधुरता है, तो पतझड़ निकट है, क्योंकि मार्च, अप्रैल में जब पेड़ों पर नई कोपलें फूटती हैं, उसी समय कोयल, कौवे के घोंसले में चुपके से अंडे दे देती है, इसे विषय के जानकार लोग 'ब्रूड पैरासिटिज्म' कहते हैं यानी जब तपती गर्मी आए, तो उसके बच्चे किसी अन्य पक्षी की देखभाल में सुरक्षित पलें। कहने का मतलब यह है कि कोयल खुद मौसम की कठिनाइयों को समझकर पहले से ही अपनी अगली पीढ़ी की सुरक्षा सुनिश्चित कर लेती है।

हाथी बताता है जल का स्रोतः हाथी एक ऐसा पशु है, जो भारत में मानसून और सूखे दोनों का बहुत सटीक तरीके से अंदाजा लगा लेता है। सूखा पड़ने से पहले वह झुंड बनाकर लंबी यात्राएं शुरू कर देता है और उस ओर बढ़ता है, जहां जलस्रोत होते हैं। राजस्थान और मध्य भारत के जंगलों में हाथियों का यह जलप्रवास, वर्षों पुराने जलस्रोतों की उनकी स्मृतियों पर आधारित होते हैं। वैज्ञानिकों ने पाया है कि वे भूमि की नमी, पौधों के मुरझाने और हवा की गंध से पानी की कमी का किसी भी वैज्ञानिक डिवाइस से ज्यादा सटीक अनुमान लगा लेते हैं।

अबाबील देती है मानसून का संदेशः इस छोटी-सी चिड़िया को भारत में मानसून की संदेशवाहक भी कहते हैं। दरअसल, अबाबील, हजारों किलोमीटर दूर अफ्रीका या दक्षिण भारत से उड़कर गर्म और आर्द्र इलाकों में आती है।

वैज्ञानिकों ने सालों निगरानी के बाद यह पाया है कि अबाबील पक्षी केवल भोजन की तलाश के लिए प्रवास नहीं करती। इसके इस प्रवासन चक्र में मौसम जनित सुरक्षा की भी योजना छिपी होती है। जब उत्तर भारत में सर्दी बढ़ती है और कीट-पतंगे बेहद कम हो जाते हैं, तब यह अबाबील दक्षिण भारत की ओर उड़ जाती है और जैसे ही गर्मियां लौटती हैं, यह भी अपने पुराने घर की ओर लौट आती हैं। ग्रामीण भारत में लोग अबाबील देखकर अनुमान लगाते हैं कि अब बारिश बस आने ही वाली है। वास्तव में यह पक्षी वातावरण के दबाव और आर्द्रता के सूक्ष्म बदलाव को बहुत बारीकी से महसूस कर लेती है।

इस तरह देखें तो इंसान ही नहीं, पशु-पक्षी भी आने वाले मौसम की दुश्वारियों से खुद को बचाने के लिए अपने ज्ञान, पूर्वानुमान और कठोर अनुशासन का इस्तेमाल करते हैं। *

जल संचित कर लेते हैं ऊंट

ऊंट को रेगिस्तान का जहाज माना जाता है, क्योंकि वह रेगिस्तान में दूसरे किसी भी वाहन से ज्यादा बेहतर और सहजता से रह लेता है। लेकिन ऊंट सिर्फ रेगिस्तान के बारे में ही इतनी सटीकता से नहीं जानता बल्कि वह रेगिस्तान के सबसे कठोर मौसम में जीवित रहने की कला भी भलीभांति जानता है। यही वजह है कि जब राजस्थान में गर्मी अपने चरम पर होती है, तो वह न केवल अपने शरीर में पानी की खपत को नियंत्रित कर लेता है बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से उसका शरीर पानी को पुनःअवशोषित करने की क्षमता भी रखता है। इसी के चलते वह कई दिनों तक बिना पानी पीए भी रह लेता है, लेकिन यही ऊंट मानसूनी संकेत मिलने पर जरूरत से कई गुना ज्यादा पानी पीता है। अपने शरीर में एक वाटर रिजर्व भी बना लेता है। वास्तव में यह उसकी छठी इंद्री का मौसम प्रबंधन है, जो रेगिस्तान की कठोर परिस्थितियों में उसके जीवन को संभव बनाता है।

अवेयरनेस
शिखर चंद जैन

घर में सुविधायुक्त टॉयलेट, हमारे व्यक्तिगत स्वास्थ्य के साथ-साथ स्वच्छ वातावरण एवं गरिमापूर्ण जीवन के लिए भी बहुत जरूरी है। वर्ल्ड टॉयलेट-डे, 19 नवंबर पर बता रहे हैं इससे जुड़ी कुछ रोचक बातें।

सभी के लिए है जरूरी स्वच्छ-सुविधायुक्त टॉयलेट

हर साल 19 नवंबर को वर्ल्ड टॉयलेट डे यानी विश्व शौचालय दिवस मनाया जाता है। आप सोच रहे होंगे कि भला शौचालय के लिए भी कोई दिन मनाने की क्या जरूरत है! आपको बता दें कि भले ही आपके घर में सुविधायुक्त शौचालय है, लेकिन दुनिया में आज भी करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिनके पास सुरक्षित और स्वच्छ शौचालय नहीं हैं। विश्व शौचालय संगठन द्वारा एकत्रित आंकड़ों के अनुसार, विश्व में लगभग एक अरब लोग आज भी खुले में शौच करते हैं। ऐसे में यह दिन हमें यह याद दिलाने के लिए मनाया जाता है कि शौचालय हमारे स्वास्थ्य, सम्मान और पर्यावरण के लिए कितना जरूरी है।

विश्व शौचालय दिवस का इतिहासः विश्व शौचालय दिवस की शुरुआत 2001 में हुई थी। स्वास्थ्य और जन सरोकार विशेषज्ञों की सलाह पर स्वच्छता के मुद्दों पर वैश्विक ध्यान आकर्षित करने के लिए विश्व शौचालय संगठन की स्थापना की गई। वर्षों की अंतरराष्ट्रीय बहस और सिफारिश के बाद, संयुक्त राष्ट्र ने 2013 में आधिकारिक तौर पर विश्व शौचालय दिवस को वार्षिक आयोजन के रूप में घोषित किया। यह दिवस 2030 तक सभी के लिए स्वच्छ जल और स्वच्छता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

बुनियादी जरूरत है शौचालयः इस वर्ष विश्व शौचालय दिवस की थीम 'बदलती दुनिया में स्वच्छता' और स्लोगन है 'हमें हमेशा शौचालय की आवश्यकता होगी'। इस साल की थीम और स्लोगन का मुख्य संदेश यह है कि चाहे दुनिया कितनी भी बदल जाए, जितनी भी नई तकनीकें आ जाएं, हम चाहे कितने ही एडवांस हो जाएं, शौचालय की जरूरत कभी खत्म नहीं होगी। यह कोई लग्जरी नहीं बल्कि एक बुनियादी जरूरत है। हर घर में शौचालय होना तो आवश्यक है ही। साथ ही यह भी जरूरी है कि हम शौचालय का इस्तेमाल करते समय और उसके बाद कुछ बातों का ध्यान रखें।

फ्लश करते समय रखें ध्यानः टॉयलेट में फ्लश हमेशा ढक्कन लगाकर करें क्योंकि टॉयलेट फ्लश आपके टॉयलेट से छह फीट की ऊंचाई तक कीटाणुओं को बाहर निकाल सकता है। हर बार जब आप टॉयलेट फ्लश करते हैं, तो कीटाणु हवा में उड़ जाते हैं और आपके बाथरूम में घूमकर आपके टॉयलेट के आस-पास की जगहों और वस्तुओं जैसे-टूथब्रश, साबुन आदि पर भी पहुंच सकते हैं। अगर आपके टॉयलेट सीट में ढक्कन नहीं है, तो टॉयलेट फ्लश करने के बाद तुरंत बाहर निकल जाएं।

हाथ अच्छे से धोएंः टॉयलेट यूज करने के बाद बहुत अच्छी तरह से हाथ धोना जरूरी है। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि लगभग 20 प्रतिशत लोग शौचालय जाने के बाद अपने हाथ नहीं धोते। जो लोग धोते भी हैं, उनमें से केवल 30 प्रतिशत ही साबुन का इस्तेमाल करते हैं, जबकि बाथरूम के कीटाणुओं को मारने के लिए साबुन से लगभग 15 से 20 सेकेंड तक अच्छी तरह हाथ धोने की सलाह दी जाती है। निराशाजनक बात यह है कि केवल 5 प्रतिशत लोग ही 15 सेकेंड या उससे ज्यादा समय तक हाथ धोते हैं।

टॉयलेट पेपर का हो सीमित इस्तेमालः टॉयलेट पेपर का आवश्यकतानुसार सीमित उपयोग करने की आदत डालनी चाहिए। इसे एक्स्ट्रा वेस्ट करने से बचना चाहिए। एक चौंकाने वाला तथ्य यह है कि अमेरिकी प्रति वर्ष 433 मिलियन मील टॉयलेट पेपर का उपयोग करते हैं, जो पृथ्वी से सूर्य तक जाने और वापस आने की सम्मिलित दूरी के बराबर है।

शौचालय में स्मार्टफोन है खतरनाकः लगभग 75 प्रतिशत स्मार्टफोन धारक शौचालय में अपने फोन का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें टेक्स्ट मैसेज भेजना, फोन कॉल करना, वेब सर्फिंग और ऑनलाइन शापिंग शामिल है। यह स्वास्थ्य के लिए खतरनाक आदत तो है ही, अगर फोन टॉयलेट में गिर जाए तो यह जेब पर भी भारी पड़ सकता है। मोबाइल फोन इस्तेमाल करने वाले लोग अधिक देर तक शौचालय में बैठे रहते हैं, क्योंकि उनका ध्यान फोन पर रहता है। शौचालय की सीट पर लंबे समय तक बैठने से पाइल्स हो सकता है।

पब्लिक टॉयलेट के इस्तेमाल में बरतें सावधानीः व्यापक सर्वे और अध्ययन के बेस पर विशेषज्ञों का मानना है कि अगर आप किसी सार्वजनिक शौचालय में सबसे साफ शौचालय का इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो पंक्ति में सबसे पहले वाले शौचालय कक्ष (जो दरवाजे या सिंक के सबसे पास हो) का ही इस्तेमाल करें। यह आमतौर पर सबसे कम यूज किया जाता है और इसलिए तुलनात्मक रूप से अधिक साफ होता है।

सबसे गंदा स्थान नहीं है टॉयलेटः आपको यह जानकार हैरानी होगी कि औसत रसोईघर के चॉपिंग बोर्ड पर शौचालय की सीट की तुलना में लगभग 200 प्रतिशत अधिक बैक्टीरिया होते हैं। इससे ज्यादा हैरान करने वाली बात यह है कि स्मार्टफोन में टॉयलेट हैंडल की तुलना में लगभग 20 गुना अधिक बैक्टीरिया होते हैं। एक औसत डेस्क पर एक औसत शौचालय सीट की तुलना में 400 गुना अधिक बैक्टीरिया होते हैं। *

सबसे महंगा टॉयलेट

अमेरिकन स्पेस एजेंसी नासा ने हाल ही में स्पेस शटल के लिए एक सक्शन टॉयलेट डिजाइन करने पर 23.4 मिलियन डॉलर खर्च किए हैं, जो 850 लीटर वायु प्रवाह प्रति मिनट की सक्शन तकनीक के साथ शून्य गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देगा। यह दुनिया का अब तक को सबसे महंगा टॉयलेट है।

सिने ट्रेंड
कैलाश सिंह

शादी, बॉलीवुड फिल्मों का एक सदाबहार विषय रहा है। शादी पर केंद्रित एवं इसके इर्द-गिर्द फिल्में और गाने बॉलीवुड में बनते रहे हैं। इनमें से कई फिल्में और गाने सुपर-डुपर हिट रहे। इन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। विवाह-केंद्रित ऐसी ही कुछ बेहतरीन फिल्मों और गानों पर एक नजर...

हिंदी फिल्मों में खूब दिखी है शादी-ब्याह की बहुरंगी छटा

'हम आपके हैं कौन' में सलमान-माधुरी दीक्षित

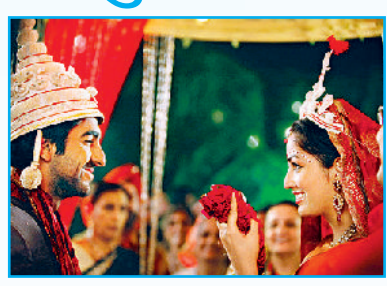
'विकी डोनर' में आयुष्मान के साथ यामी गौतम

भारतीय समाज में कश्मीर से कन्याकुमारी तक हर वर्ग और समाज में शादी समारोह का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। शायद यही वजह है कि बॉलीवुड की कई फिल्मों की कहानियों के केंद्र में भी शादी समारोह को रखा गया है। चाहे वह परंपरागत अरेंज मैरिज हो, लव मैरिज हो, भागकर की गई शादी हो, अमीर-गरीब के बीच शादी हो, अंतर-जातीय या अंतर-धार्मिक विवाह हो या दो अलग-अलग संस्कृति या भाषा से संबंधित लोगों की शादी हो।

वेडिंग एलबम जैसी 'हम आपके हैं कौन': साल 1994 में रिलीज फिल्म 'हम आपके हैं कौन' वेडिंग फंक्शन पर केंद्रित एक बेहतरीन फिल्म है। फिल्म के केंद्र में यूं तो प्रेम (सलमान खान) और निशा (माधुरी दीक्षित) की लव स्टोरी, अपने परिवार के लिए त्याग की भावना है। लेकिन यह वास्तव में अभिभावकों द्वारा तय किए गए परंपरागत हिंदू विवाह का प्रभावी ढंग से तैयार किए गए शादी के वीडियो एलबम की तरह है। फिल्म में दो दोस्त जब बहुत दिनों बाद मिलते हैं, तो आपस में अपने बच्चों की शादी कराने का निश्चय करते हैं और फिर एक परंपरागत विवाह का सिलसिला आरंभ हो जाता है। लड़के और लड़की की मुलाकात घर से बाहर अलग स्थान पर कराई जाती है। वे एक-दूसरे को पसंद कर लेते हैं। फिर उनकी सगाई होती है और बाद में लड़के वाले बारात लेकर कन्या पक्ष के घर पहुंचते हैं। फिल्म में जूते चुराने के रस्म से लेकर शादी से संबंधित अनेक रस्मो-रिवाज को खूबसूरती से दिखाया गया है। जूते चुराने की रस्म पर केंद्रित गाना 'जूते दे दो पैसे ले लो' फिल्माया गया है। इसके अलावा भी फिल्म में कई सिचुएशंस पर बेहतरीन गीत पिरोए गए हैं।

'मेरे महबूब' में राजेंद्र कुमार-साधना

परंपरागत विवाह पर बनी फिल्मेंः देखा जाए तो उत्तर भारत में परंपरागत हिंदू विवाह और परंपरागत मुस्लिम शादी में कोई विशेष अंतर नहीं है। यहां शादी में फेरों की जगह काजी को बुलाकर निकाह पढ़वाया जाता है। मां-बाप द्वारा रिश्ता तय करना, सगाई, बारात, जूते चुराई, विदाई जैसी कई रस्में हिंदू और मुस्लिम समाज की शादियों में समान रूप से देखी जा सकती हैं। 'बहू बेगम', 'मेरे हुजूर', 'मेरे महबूब' आदि फिल्मों में शादी की इन रस्मों को बखूबी प्रस्तुत किया गया है। बी.आर. चोपड़ा ने तो अपनी फिल्म 'निकाह' में शादी के साथ-साथ तीन तलाक जैसे संवेदनशील मुद्दे को भी उठाया है।

पंजाबी-एनआरआई परिवार की 'मानसून वेडिंग': मीरा नायर की 2001 में आई फिल्म 'मानसून वेडिंग', दिल्ली के एक पंजाबी परिवार में शादी के आयोजन और इस दौरान होने वाले उथल-पुथल पर केंद्रित है। फिल्म में ललित वर्मा और उनकी पत्नी पिम्मी अपनी बेटी अदिति की शादी एक एनआरआई हेमंत राय से तय करते हैं। जैसा कि भारतीय समाज में अकसर होता है, इस प्रकार के विवाह में एक बार पूरा विस्तृत परिवार दुनिया भर से आकर एक जगह एकत्र हो जाता है और अपने साथ अपना भावनात्मक अतीत भी लेकर आता है। शादी की तैयारियों के बीच पारिवारिक चुगलियां, राजनीति, साजिशें, हंसी-मजाक, मौज-मस्ती आदि सब कुछ चल रहा होता है और नए प्रेम समीकरण भी विकसित होते हैं। फिल्म को इतनी खूबसूरती से बुना गया है कि 'मानसून वेडिंग' हर किसी को अपने ही परिवार की शादी जैसी लगने लगती है।

इंटरकल्चरल मैरिज पर आधारित 'विक्की डोनर': सुजीत सरकार की 2012 में रिलीज हुई फिल्म 'विक्की डोनर' में दो अलग-अलग संस्कृतियों से ताल्लुक रखने वाले जोड़े के विवाह को दिखाया गया है। फिल्म में विक्रम उर्फ विक्की (आयुष्मान खुराना) का ताल्लुक पंजाबी अरोड़ा परिवार से होता है, जबकि अशिमा रॉय (यामी गौतम) बंगाली होती है। संतानहीन परिवारों को मोटी रकम के बदले में अपना स्पर्म डोनेट करने वाला विक्की और तलाकशुदा बैंक कर्मचारी अशिमा एक-दूसरे से शादी करना चाहते हैं, लेकिन सांस्कृतिक भिन्नता के कारण दोनों को ही अपने-अपने परिवारों से विरोध का सामना करना पड़ता है। आखिरकार सब कुछ ठीक हो जाता है।

इनमें भी दिखे शादी के अलग-अलग रंगः 'हम दिल दे चुके सनम' फिल्म में गुजराती शादियों को उनके पारंपरिक रूप में दिखाया गया है। 'हम साथ साथ हैं' में शादी और पारिवारिक रिश्ते को बड़ी ही खूबसूरती से पेश किया गया है। आजकल की कई फिल्मों में विवाह को प्रेम, करियर और पहचान के संघर्षों की पृष्ठभूमि में दिखाया गया है, जैसे 'वीरे दी वेडिंग' फिल्म में। 'बैंड बाजा बारात' जैसी फिल्में शादी की योजना और आयोजन को नाटकीय अंदाज में प्रदर्शित करती हैं, जिनमें वेन्यू प्रबंधक, दूल्हा-दुल्हन के परिवार के साथ मिलकर तैयारी करते हैं। *

पॉपुलर हुए विदाई के ये गीत

शादी के बाद दुल्हन की विदाई का वक्त कुछ ऐसा होता है, जब मिलन और जुदाई, खुशी और आंसू एक साथ एक ही समय व्यक्त हो रहे होते हैं। हिंदी फिल्मों में विदाई के सिचुएशन पर अनेक गीत बने हैं, जो काफी लोकप्रिय हुए। 'छोड़ बाबुल का घर, मोहे पी के नगर आज जाना पड़ा' (बाबुल), 'खुशी-खुशी कर दो विदा, तुम्हारी बेटी राज करेगी' (अनोखी रात), 'बाबुल की दुआएं लेती जा' (नील कमल) आदि कई ऐसे सदाबहार विदाई के गीत हैं, जो आज भी हिंदी पट्टी की शादियों में विदाई के समय खासतौर से बजाए जाते हैं।